www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद

Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 कानून के दुरुपयोग की आदत, विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा मनमाने ढंग से इस्तेमाल थम नहीं रहा

बांग्लादेश में शेख हसीना को छह महीने जेल की सजा 06

वर्ष :17 | अंक :92 | प्रयागराज , गुरूवार , 03 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में आईईडी धमाके में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) धमाके में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना मंगलवार शाम जिले के मद्देड़ थाना क्षेत्र के सिराकोंटा और दम्पाया गांव के मध्य की है। उन्होंने बताया कि पेगड़ापल्ली निवासी ग्रामीण विशाल गोटे (32) वन उपज (मशरूम) बटोरने के लिए गए थे तभी आईईडी धमाके में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि गोटे के पैर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि उसे तत्काल मद्देड़ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बीजापुर और बाद में मेडिकल कॉलेज अस्पताल जगदलपुर भेज दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीणों से अनुरोध किया गया है कि वे जंगल में जाते समय विशेष सतर्कता बरतें और किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस थाना या निकटतम सुरक्षा शिविर को दें। राज्य के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सली सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए जंगलों और सड़कों पर आईईडी धमाके करते हैं। कई बार इसका शिकार ग्रामीण भी हो जाते हैं।

अदालत ने नशीले पदार्थ मामले में पूर्व पुलिस हेड कांस्टेबल को 10 साल कारावास की सजा सुनाई

सिक्किम के पाकयोंग जिले की एक अदालत ने एक पूर्व पुलिस हेड कांस्टेबल को मादक पदार्थ रखने के मामले में 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। पाकयोंग जिले के एक विशेष न्यायाधीश ने पूर्व पुलिस हेड कांस्टेबल पेम शेरिंग भूटिया को सिक्किम नशीले पदार्थ रोधी अधिनियम (एसएडीए) के तहत मंगलवार को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई और उस पर एक लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया। भूटिया को 2021 के एक मामले में व्यावसायिक उपयोग के लिए बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ रखने का दोषी ठहराया गया था। इस फैसले के बाद पाकयोंग जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पारू रुचल ने कहा कि यह फैसला एक कड़ा संदेश देता है कि कानून सभी के साथ समान व्यवहार करता है और कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, यहां तक कि पुलिस कर्मी भी नहीं। उन्होंने कहा कि पुलिस बल का कोई भी सदस्य जो नशीले पदार्थों से संबंधित अपराधों में शामिल पाया जाता है, उसे अन्य अपराधियों की तरह ही सख्त कानूनी नतीजों का सामना करना पड़ेगा।

योगी सरकार की सख्ती : अवैध खनन पर एआई और ड्रोन से कसी नकेल 21 हजार से अधिक वाहन ब्लैक लिस्टेड

उत्तर प्रदेश में अवैध खनन के खिलाफ लगातार चल रही योगी सरकार की सख्त कार्रवाई

कार्रवाई

- प्रदेश में अक आधारित 57 चेकगेट्स के जरिए हो रही खनन में शामिल वाहनों की तगड़ी निगरानी
- पीजीआरएस लैब से अवैध खनन पर सरकार की निगाह

लखनऊ। योगी सरकार ने प्रदेश में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर रोकथाम के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। प्रदेश में 57 एआइ और आधारित चेकगेट्स स्थापित किए गए हैं, जो खनन में शामिल वाहनों की कड़ी निगरानी कर रहे हैं। इन चेकगेट्स पर परिवहन विभाग के सहयोग से वेट-इन-मोशन तकनीक का उपयोग कर ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाया जा रहा है। अब तक 21,477 वाहनों को अवैध परिवहन के लिए ब्लैक लिस्टेड किया गया है। इसके अतिरिक्त, भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग गूगल अर्थ, अ१-ऋकर और डेटा के माध्यम से अवैध खनन की पहचान और नए खनिज क्षेत्रों की खोज कर रहा है। विभाग की रिमोट सेंसिंग प्रयोगशाला (पीजीआरएस लैब) भूवैज्ञानिक मानचित्र तैयार कर रही है और स्वीकृत खनन पट्टों की निगरानी कर रही है। इससे रेत, मोरंग और अन्य लघु खनिजों के नए खनिज समृद्ध क्षेत्रों की पहचान संभव हुई है। वाहन ट्रैकिंग सिस्टम (वीटीएस) के तहत उपखनिजों के परिवहन में शामिल वाहनों पर अकर140 कॉम्पैटिबल जीपीएस उपकरण लगाए जा रहे हैं। इन उपकरणों को विभागीय वीटीएस मॉड्यूल से जोड़ा जाएगा, जिससे रियल-टाइम ट्रैकिंग, रूट डेविएशन अलर्ट और टकर रिपोर्ट्स के जरिए अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। पहली बार परिवहनकताओं को हितधारक बनाते हुए उनका पंजीकरण भी शुरू किया गया है।

ड्रोन तकनीक से मिल रही बड़ी मदद

ड्रोन तकनीक का उपयोग कर खनन क्षेत्रों की लंबाई, चौड़ाई और गहराई का आकलन किया जा रहा है। ड्रोन के माध्यम से वॉल्यूमेट्रिक एनालिसिस के जरिए खनन की मात्रा का सटीक अनुमान लगाया जाता है, जिसके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। इसके अलावा, भंडारित उपखनिजों का भी ड्रोन से वॉल्यूमेट्रिक विश्लेषण किया जा रहा है। ड्रोन की मदद से खनन योग्य क्षेत्रों का चिह्नांकन कर पट्टों का व्यवस्थापन किया जा रहा है, जिससे अधिकतम खनन योग्य क्षेत्रों का उपयोग संभव हो सके।

खनन क्षेत्र में जवाबदेही हुई सख्त

योगी सरकार की इन पहलों से अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिल रही है। समय-समय पर पट्टों की जांच और तकनीकी निगरानी से पारदर्शिता बढ़ी है और खनन माफिया पर नकेल कसी गई है। ये कदम न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि प्रदेश में खनन क्षेत्र में सुशासन और जवाबदेही को भी मजबूत कर रहे हैं। योगी सरकार की यह सख्ती और तकनीकी दृष्टिकोण अन्य राज्यों के लिए भी एक मिसाल बन सकता है।

हिमाचल में मानसून का कहर; मंडी में पांच लोगों की मौत, 16 लापता

कई शहरों में अलर्ट जारी

राज्य में मंगलवार को बादल फटने की 11 घटनाएं हुईं, जबकि अचानक बाढ़ की चार और बड़े भूस्खलन की एक घटना हुई। अधिकतर घटनाएं मंडी जिले में हुईं, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, बारिश के कारण राज्य में कुल 406 सड़कें बंद हैं, जिनमें से 248 अकेले मंडी जिले में हैं।

एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने और भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई, पांच अन्य घायल हो गए और 16 व्यक्ति लापता हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राज्य में मंगलवार को बादल फटने की 11 घटनाएं हुईं, जबकि अचानक बाढ़ की चार और बड़े भूस्खलन की एक घटना हुई। अधिकतर घटनाएं मंडी जिले में हुईं, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। सोमवार शाम से मंडी में 253.8 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम विभाग ने बुधवार को तीन जिलों कांगड़ा, सोलन व सिरमौर और शनिवार को चार जिलों ऊना, हमीरपुर, कांगड़ा व मंडी में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी स्तर की बारिश होने का अनुमान जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, बारिश के कारण राज्य में कुल 406 सड़कें बंद हैं, जिनमें से 248 अकेले मंडी जिले में हैं। मंडी में 994 ट्रांसफार्मर पर भी इसका असर पड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि 24 मकान, 12 पशुशालाएं, एक पुल और कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं, 30 मवेशी मारे गए हैं तथा मंडी जिले में फंसे नौ लोगों को बचाने के प्रयास जारी हैं।

बादल फटने से पटिकरी पावर प्रोजेक्ट तबाह, 16 लोगों ने भागकर जान बचाई थी

मंडी के पास सराज क्षेत्र में बादल फटने के बाद भारी बारिश से पटिकरी पावर प्रोजेक्ट पूरी तरह तबाह हो गया। घटना के वक्त इसमें 12 कर्मचारी काम कर रहे थे। सभी ने भागकर जान बचाई। इस प्रोजेक्ट को 2023 में भी भारी नुकसान हुआ था। इसे देखते हुए पावर हाउस की सुरक्षा के लिए 6 मीटर ऊंची और 150 मीटर लंबी प्रोटेक्शन वॉल बनाई गई थी। मगर बादल फटने के बाद बाढ़ का पानी इसके ऊपर से बहकर आ गया।

चुनाव आयुक्त मिस्टर इंडिया क्यों बन गए हैं?

सीईसी पर भड़के तेजस्वी यादव, लगाया बड़ा आरोप

एजेंसी

राजद नेता ने आगे कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने खुद चुनाव आयोग को पत्र लिखा है, लेकिन उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। हमने सुना है कि वे गठबंधन के प्रतिनिधिमंडलों से नहीं मिलेंगे, बल्कि हर पार्टी से अलग-अलग मिलेंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता पुनरीक्षण के मामले पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने फिर सवाल खड़े किए है। उन्होंने कहा कि हम लगातार अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ चुनाव आयोग से मिलने का अनुरोध करते रहे हैं। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस राज्य में चुनाव होने हैं, वहां अगर विपक्ष चुनाव आयोग से मिलना चाहता है तो चुनाव आयोग उन्हें मिलने का समय नहीं दे रहा है। हमने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। ये लोग लोकतंत्र को खत्म करने पर तुले हुए हैं और चुनाव आयोग संविधान की धज्जियां उड़ाने पर तुला हुआ है। राजद नेता ने आगे कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने खुद चुनाव आयोग को पत्र लिखा है, लेकिन उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। हमने सुना है कि वे गठबंधन के प्रतिनिधिमंडलों से नहीं मिलेंगे, बल्कि हर पार्टी से अलग-अलग मिलेंगे। लेकिन क्यों? ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग मोदी का आयोग बन गया है। भाजपा और नीतीश कुमार इस मुद्दे पर चुप हैं। वे हार रहे हैं, इसलिए चुनाव आयोग पीछे से उनकी मदद कर रहा है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि चुनाव आयोग ने (किसी राजनीतिक दल को) समय नहीं दिया हो। वे एक राष्ट्र, एक चुनाव की बात करते हैं, लेकिन एक भी जगह चुनाव ठीक से नहीं होते, बेईमानी हो रही है। उनके पास हमारे सवालों का कोई जवाब नहीं है। इसलिए, वे हमें नहीं दे रहे हैं। चुनाव आयुक्त मिस्टर इंडिया क्यों बन गए हैं? तेजस्वी यादव ने कहा कि भविष्य में मोदी जी बिहार में राष्ट्रपति शासन लगा देंगे और पूरा प्रभार अपने हाथ में ले लेंगे। चुनाव आयोग कठपुतली बन गया है...यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है कि वोट का अधिकार छीना जा रहा है

मेरे कपड़े उतारे, बाल खींचे....

मनोजीत मिश्रा पर एक और छात्रा का आरोप

एजेंसी

कलकत्ता लॉ कॉलेज में एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना के कुछ ही दिनों बाद पश्चिम बंगाल में मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा के खिलाफ नए आरोप सामने आए हैं। एक अन्य छात्रा ने दावा किया है कि उसने दो साल पहले उसके साथ छेड़छाड़ की थी और उसे धमकाया था। एक निजी मीडिया से बात करते हुए महिला ने अक्टूबर 2023 में अपने साथ हुई भयावह घटना के बारे में बताया, जब वह कॉलेज के अन्य छात्रों के साथ एक सभा में शामिल हुई थी, जहां मोनोजीत भी मौजूद था। इस वक्त मोनोजीत मिश्रा अपने दो साथियों जैब अहमद और प्रमित मुखर्जी के साथ दक्षिण कलकत्ता लॉ कॉलेज की प्रथम वर्ष की छात्रा के साथ कथित सामूहिक बलात्कार के आरोप में पुलिस हिरासत में हैं। घटना को याद करते हुए, द्वितीय वर्ष की छात्रा ने आरोप लगाया कि टीएमसी के पूर्व युवा विंग के नेता मोनोजीत ने उस कमरे में जबरन प्रवेश किया, जहाँ वह अपने पिता से फोन पर बात कर रही थी, जबकि अन्य छात्र कार्यक्रम स्थल के दूसरे हिस्से में नाच रहे थे और मौज-मस्ती कर रहे थे।

5 साल तक कर्नाटक का सीएम बना रहूंगा

एजेंसी

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को दरकिनार करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने स्पष्ट कर दिया है कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करना चाहते हैं। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की संभावना के दावों के बीच सिद्धारमैया ने कहा, हां, मैं मुख्यमंत्री के तौर पर काम करना जारी रखूंगा। आपको संदेह क्यों है? उन्होंने भाजपा और जद (एस) पर यह दावा करने के लिए हमला किया कि राज्य में कांग्रेस में आंतरिक दरार है। उन्होंने पूछा, क्या वे कांग्रेस आलाकमान हैं? इससे पहले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर कोई असंतोष नहीं है और जब सिद्धारमैया मुख्यमंत्री हैं तो नेतृत्व के मुद्दे पर किसी मतभेद की जरूरत नहीं है।

नामांकन अध्यक्ष चुनाव के लिए दाखिल किया नामांकन

पश्चिम बंगाल में शमिक भट्टाचार्य को मिलेगी बीजेपी की कमान

एजेंसी

सुकांत मजूमदार एक तरफ केंद्रीय राज्य मंत्री और दूसरी तरफ प्रदेश अध्यक्ष दोनों की जिम्मेदारी संभालते रहे हैं। खबर थी कि विधानसभा चुनाव से पहले नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी जाएगी। लेकिन किसे जिम्मेदारी दी जाएगी, इस पर अटकलें लगाई जा रही थीं।

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। उससे पहले क्या बंगाल बीजेपी की कमान शमिक भट्टाचार्य के हाथों में होगी? बुधवार दोपहर को यह संभावना और भी प्रबल हो गई। क्योंकि शमिक ने पश्चिम बंगाल बीजेपी का अध्यक्ष बनने के लिए एक और नामांकन दाखिल किया। प्रदेश अध्यक्ष बनने की दौड़ में कोई और शामिल नहीं हुआ। नतीजतन, किसी तरह यह तय हो गया कि शमिक ही प्रदेश भाजपा के अगले अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। हालांकि, कभी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे दिलीप घोष आज नामांकन केंद्र के आसपास भी नहीं दिखे। सुकांत मजूमदार एक तरफ केंद्रीय राज्य मंत्री और दूसरी तरफ प्रदेश अध्यक्ष दोनों की जिम्मेदारी संभालते रहे हैं। खबर थी कि विधानसभा चुनाव से पहले नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी जाएगी। लेकिन किसे जिम्मेदारी दी जाएगी, इस पर अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, अब यह साफ होता दिखाई दे रहा है। अग्निमित्रा पाल, लॉकेट चटर्जी से लेकर जगन्नाथ चटर्जी तक के नाम लगातार सामने आ रहे थे। कई लोगों को तो यहां तक उम्मीद थी कि आरएसएस की सिफारिश पर दिलीप को फिर से बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है। नामांकन ने बाद समिक भट्टाचार्य ने कहा कि अभी मेरे पास कहने को कुछ नहीं है। प्रक्रिया अभी भी चल रही है। यह अभी पूरी नहीं हुई है। पार्टी नेतृत्व ने मुझे नामांकन दाखिल करने को कहा और मैंने वैसा ही किया। परिणाम आना अभी बाकी है। भाजपा सूत्रों के अनुसार, पार्टी फिलहाल किसी भी तरह का मुकाबला नहीं चाहती है। इसीलिए भाजपा के अखिल भारतीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शमिक के साथ बैठक की। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद आज कोलकाता पहुंचे थे। ऐसी खबरें हैं कि आज रात या कल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर शमिक के नाम की आधिकारिक घोषणा हो सकती है।

सम्पादकीय

जुंबा ने खड़ी कर दी कट्टरपंथियों की खाट, वोट बैंक के लिए राजनीतिक दलों की संकुचित राजनीति

केरल देश का सबसे प्रगतिशील राज्य माना जाता है। यह आर्थिक रूप से अपेक्षाकृत संपन्न है लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यहां कट्टरता बढ़ रही है। भारत को इस्लामी देश बनाने का ख्वाब देखने वाला पीएफआइ यहीं फला-फूला और सबसे खूंखार आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट में भर्ती होने के लिए केरल से ही तमाम युवक गए। केरल की वामपंथी सरकार की इसके लिए सराहना होनी चाहिए कि उसने युवाओं को नशे से बचाने के लिए स्कूलों में जुंबा कराने के अपने फैसले पर कायम रहना तय किया। जुंबा नृत्य और संगीत आधारित एक एरोबिक गतिविधि है। इसे मनोरंजन के साथ-साथ सेहत और विशेष रूप से फिटनेस के लिए उपयुक्त माना जाता है। यह दुनिया भर में लोकप्रिय है। उपयोगिता सिद्ध होने के चलते ही उसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। यह आम धारणा है कि छात्रों और युवाओं को जुंबा के प्रति आकर्षित कर उन्हें नशे एवं अन्य हानिकारक प्रवृत्तियों से दूर रखा जा सकता है। दुनिया भर में युवाओं विशेष रूप से छात्रों को ड्रग्स से बचाने के लिए जो तमाम उपाय किए जाते हैं, उनमें से एक जुंबा भी है। इसे प्रचलित करने का श्रेय एक कोलंबियाई फिटनेस ट्रेनर अल्बर्टो ह्लबैटोह्व पेरेज को जाता है। उन्होंने डांस और म्यूजिक के जरिये लोगों को फिटनेस की ट्रेनिंग देनी शुरू की। जब इस नए-अनोखे तरीके की लोकप्रियता बढ़ गई तो उन्होंने एक कंपनी बना ली। जुंबा की लोकप्रियता बढ़ने के साथ अलग-अलग देशों में उसे अपने यहां के गीत-संगीत पर आजमाना शुरू कर दिया गया। भारत में इसे बालीवुड फिल्मों के गानों के साथ भी किया जाता है। चाहें तो गूगल करके देखें और सुनें। इसे महिलाएं और बुजुर्ग भी करते हैं। इससे इन्कार नहीं कि हाल के वर्षों में भारत में छात्रों और युवाओं के बीच नशे का चलन बढ़ा है। पहले उत्तर पूर्व के राज्यों में बड़ी संख्या में युवा नशे का शिकार बने। इसके बाद पंजाब में और अब तो कई अन्य राज्यों में ड्रग्स लेने वाले छात्रों और अमीर-गरीब युवाओं की संख्या बढ़ रही है। रेव पार्टियां आम सी हो रही हैं। केरल में ड्रग्स की समस्या को देखते हुए ही मुख्यमंत्री पी. विजयन ने स्कूलों में जुंबा करने का फैसला लिया, लेकिन कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों को जुंबा में अश्लीलता और अनैतिकता दिख गई। कई मुस्लिम संगठनों ने स्कूलों में जुंबा कराने के केरल सरकार के फैसले का विरोध किया। किसी ने कहा कि लड़के-लड़कियां एक साथ डांस करेंगे। किसी ने कहा कि यह हमारी मजहबी मान्यताओं के खिलाफ है। ऐसा कहने वाले केरल के कुछ छात्र एवं युवा मुस्लिम संगठन भी हैं। केरल के जिन मुस्लिम संगठनों ने जुंबा को अश्लीलता आदि बढ़ाने वाला करार दिया, वे वही हैं जिन्हें योग भी रास नहीं आता।

आज का विचार

दुनिया आपके उदाहरण
से बदलेगी
आपकी राय से नहीं

भारत संवाद

राशिफल

मेष राशिः करियरः करियर के लिहाज से दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है. काम के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा तय करनी पड़ सकती है. बिजनेसः किसी नए व्यापार को शुरू करने का मन बना सकते हैं. ऐसे समय में हर पहलू पर नजर डाले और किसी जानकार से सलाह जरूर लें.

वृषभ राशि : करियरः नौकरीपेशा लोगों पर आज काम का दबाव बढ़ेगा. ऑफिस में मन अशांत भी रहेगा. ठंडे दिमाग से काम लें. बिजनेसः व्यापार करने वालों के लिए आज का दिन मुनाफे से भरा रहने वाला है. हालांकि व्यवसायिक गतिविधियां धीमी रहेगी.

मिथुन राशिः करियरः नई नौकरी के अवसर मिल सकते हैं. करियर को लेकर उलझन है तो किसी से सलाह लेना फायदेमंद होगा. बिजनेसः व्यवसायिक से जुड़े लोगों को आज थोड़ा घाटा हो सकता है. हालांकि इससे आपके व्यापार पर ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा.

कर्क राशिः करियरः कामकाज के लिहाज से पूरा दिन व्यस्त रहने वाला है. हालांकि आज की मेहनत आपको भविष्य में काम देगी. बिजनेसः व्यापार के लिहाज से मांग बढ़ेगी. इसके साथ ही अन्य व्यापारियों से रिश्ते बढ़ेंगे. धनः निवेश के मामले में सोच-समझकर फैसले लें. ज्यादा लालच का चक्कर नुकसान करा सकता है.

सिंह राशिः करियरः नौकरी या करियर से जुड़ी किसी भी तरह के सवाल का जबाव पाने के लिए जानकार से सलाह जरूर लें. बिजनेसः आज के दिन आपको व्यापार में लाभ होगा. धनः धन के मामले में अच्छी खबर मिल सकती है. धन का आगमन होगा.

कन्या राशि : करियरः कार्यक्षेत्र पर काम का दबाव बढ़ेगा. हालांकि इस दौरान सहयोगियों का साथ मिलेगा.बिजनेसः व्यापार में मुनाफा होने के साथ ग्राहको की भीड़ भी रहेगी.धनः धन के मामले में फिजूलखर्ची से बचेंगे. किसी दोस्त से निवेश से संबंधित सलाह ले सकते हैं.

तुला राशिः करियरः कार्यक्षेत्र पर आपके काम से हर कोई प्रभावित रहेगा. इस दौरान दिखावा करने से बचें.बिजनेसः व्यापार में प्रतिद्वंदी का सामना करना पड़ सकता है. हालांकि मुनाफा भी कमा लेंगे.

वृश्चिक राशिः करियरः काम के दबाव के कारण पूरा दिन व्यस्त रहने वाला है. कार्यस्थल पर मानसिक तनाव भी रहेगा. बिजनेसः व्यापार में किसी भी तरह के फैसले जल्दबाजी में लेने से बचें. धनः परिवार के साथ शॉपिंग पर जा सकते हैं. इस दौरान काफी पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं.

धनु राशिः करियरः ऑफिस पर आपका प्रमोशन हो सकता है. कार्यक्षेत्र पर प्रमोशन होने के साथ नए दयित्व भी मिल सकते हैं. बिजनेसः बिजनेस में आज के दिन ग्राहकों से वाद-विवाद की स्थिति से बचें. धनः रुका हुआ धन आपको वापस मिल सकता है. ये धन आपके लिए जरूरी हो सकता है.

मकर राशि : करियरः कार्यक्षेत्र पर चीजें आपके हक में रहने वाली है. इस दौरान किसी के साथ गलत न करें. बिजनेसः व्यापार से जुड़े लोग नई प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं. धनः किसी भी तरह के निवेश में जल्दबाजी से बचें.

कुंभ राशि : करियरः कार्यक्षेत्र पर किसी की वित्तीय सहायता कर सकते हैं. बिजनेसः व्यापार को बढ़ाने के लिए जानकारों से सलाह लेंगे. धनः फिजूलखर्ची से बचें और धन को बचत करने का तरीका ढूंढे.शिक्षाः विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा. इस दौरान आने वाले परिणाम आपके पक्ष में रहने वाले हैं.

मीन राशि : करियरः ऑफिस में काम के दौरान कई तरह की चीजों का सामना करना पड़ सकता है. बिजनेसः व्यापार में आगे बढ़ने के लिए आर्थिक वित्तीय की जरूरत पड़ेगी. धनः धन के मामले में आपको लाभ मिलेगा. इस दौरान किसी भी तरह के जोखिम भरे निवेश से दूर रहें.शिक्षाः छात्रों को आज अधिक मेहनत करने की जरूरत है. लव/पारिवारिकः प्यार के लिहाज से आज का दिन आपके पक्ष में रहने वाला है.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कानून के दुरुपयोग की आदत, विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा मनमाने ढंग से इस्तेमाल थम नहीं रहा

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की उक्त टिप्पणी यह बताने के लिए पर्याप्त है कि दहेज प्रतिषेध अधिनियम का पुलिस-प्रशासन और विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा मनमाने ढंग से प्रयोग किया जा रहा है। महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए देश में बनाए गए अन्य कानूनों का भी दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह और भी ऐसे कानून हैं जिनका समर्थ लोग अथवा भ्रष्ट अधिकारी दुरुपयोग करते हैं।

पा बंबई उच्च न्यायालय की औरंगाबाद पीठ ने बीते दिनों (पूर्ववर्ती) भारतीय दंड संहिता-आइपीसी की धारा 498 ए के एक मामले में जांच के रवैये को लेकर महाराष्ट्र पुलिस को आड़े हाथों लिया। दहेज प्रताड़ना से जुड़ी इस धारा से संबंधित मामले में अदालत ने कहा, ह्यपता चलता है कि पुलिस धारा 498 ए के तहत अपराध के मामले में उचित सावधानी नहीं बरत रही है।ह्व पुलिस कई बार प्रथम जांच रिपोर्ट के साथ जैसा व्यवहार करती है, वह गलत है और यह दुरुपयोग का एक उदाहरण है। इस प्रकार यह पुलिस अधिकारी कुछपूर्व धारणाओं या पूर्वाग्रही मन से जांच को आगे बढ़ा रहे हैं, जो रवैया खतरनाक है।ह्व पूर्वाग्रह भले ही एक सामान्य सा शब्द प्रतीत हो, परंतु इसका खामियाजा किसी भी निर्दोष को भुगतना पड़ सकता है। यह दुखद सत्य है कि पुलिस व्यवस्था में भी यह मानसिकता कायम है कि पुरुष की भूमिका सदैव शोषणकर्ता की होती है। इस पूर्वाग्रह का परिणाम यह होता है कि पुरुष के विरुद्ध अगर किसी महिला द्वारा आरोप लगाया जाता है तो जांच का केंद्र और दिशा पुरुष को अपराधी मानते हुए उसके इर्द-गिर्द ही घूमती है। निरंतर सामने आए ऐसे प्रकरणों के चलते शीर्ष अदालत ने 2014 में ह्यअर्नेश कुमार बनाम बिहार राज्यह्व मामले में धारा 498 ए के तहत गिरफ्तारी के संबंध में दिशानिर्देश जारी किए। न्यायालय ने इस पर जोर दिया कि गिरफ्तारी आदर्श के बजाय अपवाद होनी चाहिए, खासकर सात साल से कम कारावास की सजा वाले अपराधों के लिए। उक्त

मामले में न्यायालय ने पुलिस को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41 के सिद्धांतों के पालन का निर्देश दिया और गिरफ्तारी पर विचार के लिए नौ-सूत्रीय चेकलिस्ट प्रदान की। मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया गया कि वे हिरासत को अधिकृत करने से पहले उसकी आवश्यकता का मूल्यांकन करें। निर्णय का उद्देश्य व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा करते हुए कानून के दुरुपयोग को रोकना था। इन दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने पर पुलिस अधिकारियों और मजिस्ट्रेटों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकती है। हालांकि 2014 में ही ऐसी रिपोर्ट आई कि अर्नेश कुमार दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। मई 2021 में एमिकस क्यूरी (न्यायालय के निष्पक्ष सलाहकार) ने चिंता जताई कि मध्य प्रदेश पुलिस अर्नेश कुमार दिशानिर्देशों का पालन नहीं कर रही है। तब मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने पुलिस महानिदेशक को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि इन दिशानिर्देशों का पालन कराएं। जिन्हें इन दिशानिर्देशों का पालन किए बिना गिरफ्तार किया गया था उन्हें इन दिशानिर्देशों के उल्लंघन के आधार पर नियमित जमानत लेने की अनुमति दी गई। न्यायालय ने राज्य न्यायिक अकादमी से पुलिस अधिकारियों और न्यायिक मजिस्ट्रेटों को दिशानिर्देशों के बारे में शिक्षित करने का भी आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने ह्यराकेश कुमार बनाम विजयंता आर्य डीसीपी और अन्यह्व के मामले में दिसंबर 2021 में एक पुलिस अधिकारी को अर्नेश कुमार बनाम बिहार राज्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्थापित सिद्धांतों के उल्लंघन पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने के लिए अदालत की अवमानना का दोषी पाया और एक दिन कारावास की सजा भी सुनाई। इसी तरह की कार्रवाई सुनीत कुमार और सैयद वाइज मियां, जेजे की खंडपीठ ने की और अर्नेश कुमार बनाम बिहार राज्य (2014) 8 एससीसी 273 के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश को जानबूझकर दरकिनार करने के लिए एक पुलिस अधिकारी को अवमानना का दोषी पाते हुए उसे 14 दिनों के साधारण कारावास की सजा सुनाई। विभिन्न अदालतों के ऐसे निर्णय बताते हैं कि न्यायिक व्यवस्था यह अपेक्षा करती है कि पुलिस संवेदनशीलता के साथ अर्नेश कुमार दिशानिर्देशों का पालन करें, परंतु हाल की बंबई उच्च न्यायालय की टिप्पणी दशार्ती है कि आज भी पुलिस व्यवस्था अपने पूर्वाग्रहों से मुक्त नहीं हो पा रही है। इसमें किंचित भी संदेह नहीं कि दहेज प्रताड़ना के मामलों में अनेक शिकायतें सही पाई जाती हैं, परंतु इसका यह भी तात्पर्य नहीं कि दहेज लेने के हर आरोप में सच्चाई हो। दहेज प्रतिषेध अधिनियम को तैयार करते समय उन हर संभव बिंदुओं को सम्मिलित किया गया जिससे दहेज लेने और देने की प्रथा पर लगाम लगे। दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 की धारा 8बी (3) के तहत राज्य सरकार को जो शक्तियां प्रदान की गई हैं, उनका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दहेज प्रतिषेध अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों के अंतर्गत शिकायतों और अभियोजन के लिए विशेष प्रक्रिया का पालन किया जाए और दहेज प्रतिषेध अधिकारी को साक्ष्य एकत्र करने और अपराधी पर मुकदमा चलाने का अधिकार दिया जाए। उल्लेखनीय है कि ह्यअंकित सिंह और अन्य तीन विपक्षी पक्ष बनाम उत्तर प्रदेश राज्य और अन्यह्व के मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 23 मई, 2024 को यह टिप्पणी की थी, ह्ययह न्यायालय देख रहा है कि जिन मामलों में दहेज के आरोप लगाए जा रहे हैं, उनकी जांच पुलिस द्वारा की जा रही है, दहेज निषेध अधिकारी द्वारा नहीं। एक बार जब दहेज निषेध अधिकारी द्वारा यह तय कर दिया जाता है कि विवाह के पक्षकारों पर दहेज निषेध अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जाना चाहिए या नहीं, तो फिर पुलिस अधिकारी उपरोक्त विशेष प्रक्रिया और दहेज निषेध अधिकारी के अधिकार क्षेत्र को दरकिनार कर दूल्हे और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ आरोपपत्र कैसे प्रस्तुत कर रहे हैं?ह्व इलाहाबाद उच्च न्यायालय की उक्त टिप्पणी यह बताने के लिए पर्याप्त है कि दहेज प्रतिषेध अधिनियम का पुलिस-प्रशासन और विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा मनमाने ढंग से प्रयोग किया जा रहा है। महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए देश में बनाए गए अन्य कानूनों का भी दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह और भी ऐसे कानून हैं, जिनका समर्थ लोग अथवा भ्रष्ट अधिकारी दुरुपयोग करते हैं। कानूनों के दुरुपयोग की इस आदत के शिकार लोगों की गिनती करना कठिन है। इनमें से अधिकतर वे निर्धन और असहाय लोग हैं, जो उच्चतर न्यायालयों का दरवाजा नही खटखटा पाते।

चिंतन मनन : साहित्य से संवेदना, सद्गति

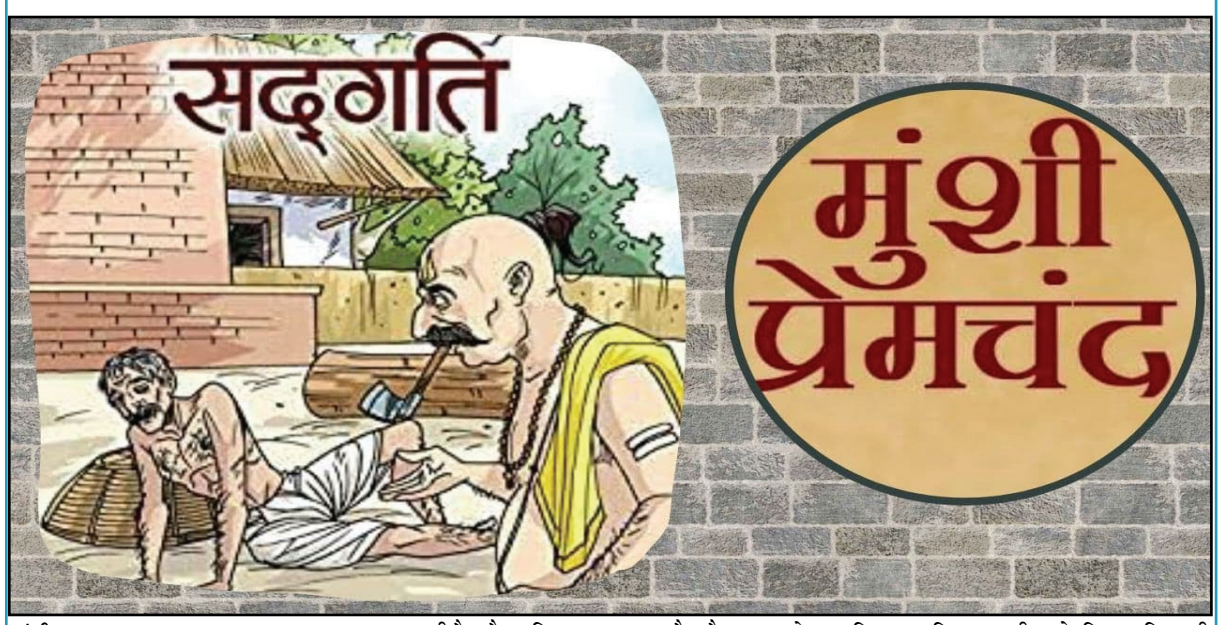

संजीव ठाकुर

साहित्य अध्ययन, उन्नयन मनुष्य के जीवन में उत्कृष्टता का आधार होता है।साहित्य सदैव मनुष्य के जीवन में संवेदना, संवेदनशीलता एवं मानवता लाने का उत्कृष्ट कार्य करता है। हमारा साहित्य, भाषा, हमें आत्मिक गौरव का सदैव अभिभाष कराती है। इसीलिए जीवन में साहित्यिक पुस्तकों का विशेष महत्व है। सतसाहित्य और भाषा से जीवन गरिमा और गहरी संवेदना लिए हुए होता है। वस्तुत अच्छा साहित्य का वाचक, एक प्रशासक, एक अच्छा अभिनेता और एक अच्छा राजनेता बन सकता है। पर दूसरी तरफ एक अच्छा राजनेता, अच्छा प्रशासक, अच्छा अभिनेता बिना भाषा ज्ञान और साहित्यिक मनन के अच्छा साहित्यकार या उत्कृष्ट मानव नहीं हो सकता है। इसके लिए मनुष्य के जीवन में साहित्य के अध्ययन, मनन और चिंतन की आवश्यकता होती है। क्योंकि साहित्य में मानवीय समाज के सुख-दुख, आशा निराशा, उत्थान और पतन का स्पष्ट परिवेश स्वमेव उपस्थित रहता है। साहित्य की इन्हीं सब खूबियों के कारण उसे समाज का प्रतिबिंब कहा जाता है। साहित्य सर्वमान रूप से एक स्वायत्त आत्मा ही है, और साहित्य का रचयिता खुद स्वयं यह नहीं बता सकता कि साहित्य किसके जीवन में कब और क्या क्या परिवर्तन ला सकता है। मूलतः साहित्य सत्य के अन्वेषण की साधना और सौंदर्य की अभिव्यंजना भी है। विशुद्ध जीवन एवं उच्च सत साहित्य मानव और समाज की संवेदना और उसकी सहज व्यक्तियों को युगों तक आने वाली पीढ़ियों में संचारित करता रहता है।और यही वजह है कि शेक्सपियर, तुलसीदास की कृतियां आज भी लोगों के हृदय में राज करती है। वैश्विक स्तर पर मनुष्य कितने ही जाति, राजनीति और भौगोलिक तौर पर अनेक गुटों में बट जाए, पर साहित्यिक धरातल एवं परिसीमा में सब एक हैं, सभी का बराबरी का दर्जा है। साहित्य मनुष्य को मानव और एक सहृदय व्यक्ति बनाना सिखाता है। दुनिया के सभी इंसान एक है, उनकी प्रवृतियां भी एक जैसी ही है। साहित्य सभी मानव में संवेदना भरकर करुणा, दया तथा परस्पर स्नेह के भाव पैदा करता है। साहित्य समय की धारा से अछूता नहीं रह सकता है। साहित्यकार उस समय काल की धारा में बैठकर उस समय की पीड़ा, संत्रास और उत्पीड़न को लेकर अपनी रचनाएं करता है, और समाज को एक परिष्कृत वातावरण बनाने के लिए प्रेरित करता है। जिस समाज में साहित्यिक परंपरा विशाल एवं समृद्ध है, वह समाज हमेशा से जीवंत और प्रगतिशील माना गया है। सत साहित्य सदैव मानवी सहज प्रवृत्तियों के साथ समय की धारा के साथ परिवर्तित एवं परिमार्जित होता रहा है। और यही कारण है कि एक अच्छा साहित्यकार एक अच्छा मनुष्य माना जाता है। और उसकी कृति युगों युगों तक जनमानस को प्रेरित, उत्प्रेरित तथा उत्साहित करती रहती है। साहित्य भविष्य की रूपरेखा वर्तमान को सामने रखकर सुनिश्चित करते हुए मानव के सोए हुए विवेक शक्ति को जागृत करने का प्रयास करता है। और श्रेष्ठतम साहित्य में मनुष्य के भीतर तथा बाहर के सार्वभौमिक मूल्यों, संदेशों और उद्देश्य को अंतर्निहित किए रहता है। यही कारण है की कबीरदास, रविंद्र नाथ टैगोर, जयशंकर प्रसाद, प्रेमचंद, शेक्सपियर, होमर, मिल्टन मानवीय चेतना के चितेरे साहित्यकार माने गए और उन्हें युगों युगों तक याद किया जाता रहेगा। वास्तव में जीवन साहित्य का आधार है, चाहे वह व्यक्ति विशेष का हो, परिवार का हो, समाज का हो, राज्य का हो या राष्ट्र का हो या संपूर्ण विश्व का जीवन के बिना साहित्य की कल्पना ही असंभव और साहित्य की समृद्धि बिना जीवंत समाज का सम्यक विकास असंभव है। साहित्य, भाषा, संवेदना जीवन का मेरुदंड है। जिंदगी में यथार्थवाद समाविष्ट रहता है और साहित्य आशावादी दृष्टिकोण से परिपूर्ण रहता है, इस तरह जीवन में यथार्थवाद और आशावाद एक दूसरे के पर्याय तथा पूरक हैं। साहित्य वैसे तो मानवीय जीवन में, जो है और जो होना चाहिए उसके बीच का एक जरिया ही है। साहित्य अपनी परिकल्पना उसे मानवीय समाज में मानवीय संबंधों के सुधार की जो आवश्यकता है, उस को रेखांकित करता है।मूल रूप से अच्छा रचनाकार, बड़ा साहित्यकार, समय काल में समाज की ही देन होता है। अतः जीवन में और साहित्य के मध्य जितना आदान-प्रदान होगा, वहां साहित्य एवं जीवन जीवंत, संवेदनशील और प्रभाव शाली होगा।

मनुष्य के जीवन में निराशा, आशंका का प्रादुर्भाव हमेशा से बना रहता है, और साहित्य जीवन में आशा, विश्वास एवं भविष्य की परिकल्पना उसे सुसज्जित रहता है। जीवन को एक नया दृष्टिकोण, एक नई दृष्टि और नया उजाला प्रदान करता है।

हिन्दी को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनायें

ललित गर्ग

दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में हिन्दी विरोध की राजनीति अब महाराष्ट्र में भी उग्र से उग्रत्तर हो गयी, इसी के कारण त्रिभाषा नीति को महाराष्ट्र में लगा झटका दुखद और अफसोसजनक है। आखिरकार राजनीतिक दबाव, लंबी रस्साकशी और कशमकश के बाद महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई से जुड़े मुद्दे पर यू-टर्न लेते हुए अपने कदम पीछे खींच लिए। विदित हो कि केंद्र सरकार की नीति के तहत महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाना था। राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते अब ऐसा नहीं हो पाएगा। मतलब, महाराष्ट्र को तीसरी भाषा के रूप में भी हिंदी मंजूर नहीं है। महाराष्ट्र में हिंदी का संकट वास्तव में एक गहरे सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। यह केवल भाषाई नहीं, बल्कि अस्मिता, पहचान और सह-अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। जबकि भाषा को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनाना चाहिए। क्योंकि जब मराठी और हिंदी एक-दूसरे की सहयोगी बनेंगी, तभी महाराष्ट्र और भारत दोनों का भविष्य उज्ज्वल होगा और तभी महाराष्ट्र राष्ट्रीयता से जुड़ते हुए समग्र विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा। हिन्दी को हथियार बनाकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी समर्थक राजनीति को इस तरह से गरमा दिया था कि सरकारी प्रयासों के हाथ-पांव फूलने लगे और अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना पड़ा। ठाकरे बंधुओं का हिन्दी विरोधी आंदोलन दिनोंदिन उग्र होता जा रहा था। यह सच है, हर राज्य के लिए भाषा की राजनीति मायने रखती है और कोई भी पार्टी स्थानीय स्तर पर अपनी क्षेत्रीय भाषा से मुंह नहीं मोड़ सकती। यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में पूर्व में एक समिति ने जब हिंदी पढ़ाने की सिफारिश की थी, तब उद्धव ठाकरे ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। तब हिंदी का मामला बड़ा नहीं था, पर आज जब ठाकरे विपक्ष में हैं, तब यही मुद्दा सबसे अहम हो गया है। शायद यह शर्म की बात है कि जिस राज्य की राजधानी में पूरा हिंदी फिल्म उद्योग बसता है, समूचे देश की आर्थिक राजधानी होने का गौरव जिसे मिला हुआ है, जहां समूचे देश के लोगों बसे है, जिसे सांझा-संस्कृति का गौरव प्राप्त है, उस राज्य की राजनीति अब हिंदी से परहेज करती दिख रही है। आज उद्धव ठाकरे बोल रहे हैं कि देवेंद्र फडणवीस सरकार मराठी मानुष की शक्ति से हार गई, पर वे इस बात को छिपा रहे हैं कि हारी सरकार नहीं, बल्कि राष्ट्र-भाषा हिंदी हारी है, जिसने मुंबई को सपनों का शहर बनाए रखा है।भारत विविधताओं का देश है, यहां भाषाएं न केवल संवाद का माध्यम हैं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी हैं। परंतु जब भाषाएं टकराव का विषय बन जाएं, तो वह केवल भाषाई संकट नहीं रह जाता, बल्कि एक सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दा बन जाता है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां हिंदी भाषा को लेकर एक अनकहा-अनचाहा-सा संघर्ष चल रहा है। महाराष्ट्र में मराठी भाषा केवल एक भाषा नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता का प्रतीक है। कई मराठी संगठनों और राजनीतिक दलों का यह मानना है कि हिंदी भाषा का बढ़ता वर्चस्व मराठी संस्कृति के लिए खतरा बन सकता है।

फडणवीस सरकार की ताजा घोषणा यह दर्शा रही है कि हिंदी का मुद्दा राज्य में विपक्षी दलों के हाथों का एक ताकतवर राजनीतिक हथियार बनता जा रहा था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट और विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमादा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी-पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी।

डॉ. संजय कुमार को चिकित्सा रत्न 2025 सम्मान से नवाजा गया

भारत संवाद

प्रयागराज में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में डॉ. संजय कुमार, रेलवे सर्जन, को चिकित्सा रत्न 2025 सम्मान से राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस पर अलंकृत किया गया। यह सम्मान मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय इलाहाबाद श्री विपिन चंद्र दीक्षित द्वारा प्रदान किया गया, जो चिकित्सा क्षेत्र में उनके मूल्यवान योगदान को मान्यता देता है ।यह कार्यक्रम लोक सेवक मंडल द्वारा राजर्षि सेवा केंद्र, प्रयागराज में आयोजित किया गया था। लोक सेवक मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राज कुमार चोपड़ा की उपस्थिति में यह सम्मान प्रदान किया गया ।लोक सेवक मंडल के समन्वयक श्री नारायण यादव ने इस कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि यह सम्मान डॉ. संजय कुमार की निःस्वार्थ सेवा और चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को मान्यता देता है।

एमएनएनआईटी के छात्र ने लगाए थे गलत आरोप ,जांच कमेटी ने दी रिपोर्ट

पीड़ित छात्र बोला– यदि मेरे आरोप गलत निकले तो खुद पर कराऊंगा एफआईआर

भारत संवाद

प्रयागराज, एमएनएनआईटी (मोतीलाल नेहरू नेहरू प्रोद्यौगिकी संस्थान) के एमटेक छात्र कुलदीप श्रीवास्तव ने एचओडी व अन्य कर्मचारियों पर नंगा करने व गोली चलाने के आरोप लगाए थे। यह आरोप उसने डायरेक्टर को मेल के जरिए भेजी थी। आज तीन सदस्यीय जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट दी जिसमें यह बताया गया कि छात्र कुलदीप श्रीवास्तव ने गलत व मनगढंत आरोप लगाए थे। पिछले कुछ दिनों से वह डिप्रेशन में था और वह अपने अभिभावक के साथ वापस घर चला गया। रजिस्ट्रार रमेश पांडेय का कहना है, ₹तीन सदस्यीय जांच कमेटी

ने अपनी जांच पूरी कर ली है। कमेटी ने एक जुलाई को अपनी रिपोर्ट दे दी है जिसमें सभी आरोप गलत पाए गए हैं।₹ वहीं, दूसरी ओर पीड़ित छात्र कुलदीप श्रीवास्तव ने जांच कमेटी पर सवाल उठाए। उसने कहा कि कमेटी ने मुझसे पूछताछ के लिए बुलाया तक नहीं। न ही मेरी बात सुनी गई है। मेरा बयान तक जांच कमेटी ने नहीं लिया तो जांच कैसे हो गई? कुलदीप ने कहा, यदि उसने जो आरोप एचओडी व अन्य पर लगाए हैं उसमें एक भी झूठा निकला तो मैं खुद थाने पर अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज कराऊंगा। पीड़ित छात्र कुलदीप ने बताया कि मुझे और मेरे परिजनों को अप्रत्यक्ष रूप से धमकी दी रही है। मुझे प्रलोभन भी दिया जा रहा है। मैं अकेले ही आवाज उठाऊंगा इसका परिणाम चाहे जो हो। कहीं न कहीं छात्र ने जो आरोप लगाए हैं वह सही है। लेकिन इस बात को संस्थान की ओर से दबाने का प्रयास किया जा रहा है। कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, एचओडी वीएस त्रिपाठी ने मुझे कॉल करके बुलाया था और आरटीआई वापस लेने के लिए दबाव बना रहे थे। दरअसल, छात्र कुलदीप श्रीवास्तव ने आरटीआई के जरिए संस्थान से जुड़े कई अहम सवाल पूछे थे।

इसी बात से एचओडी आदि नाराज थे। आरटीआई वापस लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। एचओडी ने रिकार्डिंग करने के संदेह पर उसके सारे कपड़े उतरवा दिए। उसने संस्थान के डायरेक्टर को मेल के जरिए यह शिकायत की तो मामले में जांच के लिए कमेटी बना दी गई। इस पर कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, यदि एचओडी के चेंबर की सीसीटीवी की जांच कराई जाए तो सब स्पष्ट हो जाएगा। उसमें साफ दिख जाएगा कि मेरे साथ क्या किया गया है।

फास्ट ट्रैक

थाना चुनार पुलिस द्वारा नाबालिक के साथ दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना चुनार, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 27.06.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी की नाबालिक पुत्री को बहला झ फुसला के भगाने के सम्बन्ध लिखित तहरीर दी गई ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना चुनार पर मु0अ0सं0-303/2025 धारा 137(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक चुनार को निर्देश दिए गए ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना चुनार पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में पतारसी-सुरागरसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 02.07.2025 को उप निरीक्षक प्रवीण कुमार राय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना चुनार क्षेत्रान्तर्गत पीडीएनडी स्कुल के पास से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित नामजद अभियुक्त राहुल कुमार पुत्र श्रीराम निवासी नुनौटी ताला थाना चुनार जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 137(2),87,65(1) बीएनएस व 5/6(ठ) पाक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना चुनार पुलिस द्वारा आत्महत्या के लिये प्रेरित करने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना चुनार, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 30.06.2025 को वादिनी रमा देवी पत्नी काशी साहनी निवासिनी सराय टेकउर थाना चुनार जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरुद्ध वादिनी की पुत्री को दहेज की मांग को लेकर आत्महत्या के लिये प्रेरित करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना चुनार पर मु0अ0सं0-311/2025 धारा 108 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी चुनार को निर्देश दिए गए ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना चुनार पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए आज दिनांकः 02.07.2025 को उप-निरीक्षक सुरेश सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना चुनार क्षेत्र से नामजद अभियुक्त चन्द्र शेखर साहनी पुत्र पंचम साहनी निवासी सराय टेकउर थाना चुनार जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना अदलहाट पुलिस द्वारा नाबालिक को बहला-फुसला के भगाने के अभियोग से सम्बन्धित बाल अपचारी हिरासत में लेकर बाल सुधार गृह भेजा गया

थाना अदलहाट, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 01.07.2025 को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी की नाबालिक पुत्री को बहला-फुसला के भगाने व धमकी देने के सम्बन्ध लिखित तहरीर दी गई ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अदलहाट पर मु0अ0सं0-208/2025 धारा 137(2),87,352,351(3) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।प्रभारी निरीक्षक थाना अदलहाट को निर्देश दिए गए ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना अदलहाट पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में पतारसी-सुरागरसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 02.07.2025 को उप निरीक्षक रणजीत सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना अदलहाट क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित बाल अपचारी को हिरासत में लेकर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/बाल सुधार गृह भेजा गया ।

मुख्यमंत्री करेंगे उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2025 का उद्घाटन

निर्यात को मिलेगा नया आयाम, तकनीकी सत्रों व सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सज्जित रहेगा महोत्सव

भारत संवाद

- 4 से 6 जुलाई तक अवध शिल्पग्राम में किया जाएगा आम महोत्सव
- 800 से अधिक आम की प्रजातियों का होगा प्रदर्शन

लखनऊ, प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 04 से 06 जुलाई 2025 तक अवध शिल्पग्राम, लखनऊ में उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2025 का आयोजन भव्य स्वरूप में किया जा रहा है। यह महोत्सव प्रदेश के आम उत्पादकों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने तथा आम के विविध स्वरूपों को आमजन तक पहुंचाने की दिशा में एक सशक्त पहल है। मंत्री श्री सिंह ने बताया कि महोत्सव का उद्घाटन 04 जुलाई 2025 को प्रातः 10.00 बजे प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी प्रदेश के आमों को लंदन, दुबई सहित अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात के लिए रवाना करेंगे, स्मारिका का विमोचन करेंगे एवं प्रदेश के प्रगतिशील आम उत्पादकों का सम्मान करेंगे। उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री जी का मार्गदर्शी उद्बोधन भी होगा। महोत्सव में लगभग 800 किस्मों के आमों का प्रदर्शन दिनभर किया जाएगा, जो आगंतुकों को प्रदेश की बागवानी विविधता से रूबरू कराएगा। दोपहर 12.00 बजे आयोजित क्रेता-विक्रेता सम्मेलन तथा तकनीकी सत्रों में आम की सुरक्षित तुड़ाई, पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट, विपणन व निर्यात जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। सायं 6.00 बजे सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा, जिसका शुभारंभ श्री बी.एल. मीणा, अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया जाएगा। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध लोकगायक श्री पवन सिंह की लोक प्रस्तुतियाँ विशेष आकर्षण रहेंगी। 05 जुलाई 2025 को प्रातः 10.00 बजे, तकनीकी सत्रों का शुभारंभ माननीय उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक जी के कर-कमलों द्वारा किया जाएगा। इस सत्र में आम उत्पादन तकनीक, पोषण प्रबंधन, कीट एवं व्याधि नियंत्रण, संरक्षित खेती जैसे विषयों पर वैज्ञानिकों एवं किसानों के मध्य संवाद होगा। अपराह्न 2.00 बजे बच्चों के लिए आम खाने की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जो उत्सव में सहभागिता को और रोचक बनाएगी। सायं 6.00 बजे आयोजित सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ माननीय उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी द्वारा दीप प्रज्वलन से किया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास की काव्य प्रस्तुति दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण होगी। 06 जुलाई 2025 को प्रातः 11.00 बजे तकनीकी सत्र में आम प्रसंस्करण तकनीकों, विभागीय योजनाओं एवं वैज्ञानिक-उत्पादक परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा। अपराह्न 3.00 बजे महोत्सव का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित होगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री दिनेश प्रताप सिंह स्वयं उपस्थित रहेंगे और उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कृत करेंगे ।मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह ने प्रदेश के किसानों, उद्यमियों, आम बागवानों, छात्रों तथा आमजन से अपील की है कि वे अधिकाधिक संख्या में आम महोत्सव में सहभागिता कर फलों के राजा आम के गौरवशाली उत्सव को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रदेश की बागवानी क्षमता को वैश्विक पहचान दिलाने में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

नाले से मिला युवक का शव

ग्रामीणों ने दोपहर में देखा तैरता शव, पुलिस जांच में जुटी

भारत संवाद

प्रयागराज , मेजा थाना अंतर्गत सिंह पुर इलाके के एक नोए मे 40 वर्षीय अज्ञात युवक का शव मिलने से लोगो मे हड़कंप मच गया ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कों नाले से बाहर निकाल शीनख्त हेतु घंटो प्रयास किया,लेकिन सफलता नहीं मिल सकी ।पुलिस ने शव कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए शहर भेज दिया है। पुलिस मामले की जाँच मे जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार,मेजा थाना क्षेत्र के सिंह पुर गाव स्थित नाले मे बुधवार की दोपहर शौंच कों गए विनोद नामक युवक ने तैरता हुआ शव देखा ।उसने ग्रामीणों कों जानकारी दी तो भारी भीड़ जुट गई। इसकी सूचना तत्काल ग्रामीणों ने पुलिस कों दिया। उक्त सूचना कोहड़ा चौकी इंचाइज मय हमराह घटनास्थल पहुँचे ।पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव कों नाला से बाहर निकलवाया ।इसके बाद पुलिस शव की शीनख्त मे घंटो प्रयासरत रही ।लेकिन शव की पहचान मे पुलिस कों

सफलता नहीं मिल सकी ।वहीं पुलिस ने शव कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए शहर भेज दिया है। पुलिस मामले की जाँच मे जुट गई है। मामले मे कोहड़ा चौकी इंचार्ज अमित कुमार सिंह ने बताया की शव की पहचान नहीं हो पै है ।शव पीएम भेज अग्रिम जाँच की जा रही है।

रेलवे सुरक्षा बल/कानपुर ने 2 मोबाइल चोरों को किया गिरफ्तार

भारत संवाद

रेलवे सुरक्षा बल यात्रियों और उनके समान की सुरक्षा के लिए स्टेशन परिसर एवं गाड़ियों में निरंतर अभियान चलती रहती है ।यात्रियों के समान की समान की सुरक्षा के लिए रेलवे सुरक्षा बल एवं राजकीय रेलवे पुलिस मिलकर अपराधियों के विरुद्ध संयुक्त अभियान भी चलाते हैं । दिनांक 01.07.2025 को कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर यात्री समान की चोरी पर रोकथाम के लिए रेलवे सुरक्षा बल की विशेष टीम ने राजकीय रेलवे पुलिस के सहयोग से निगरानी के लिए चलाये गए अभियान में कानपुर सेंट्रल स्टेशन के दिल्ली छोर पर साइड हैरिसगंज पुल के पास 2 शातिर चोर संदीप सिंह उर्फ डीजे, कुंदन नगर, नौरंगाबाद अलीगढ एवं अमित निषाद उर्फ खूबसूरत, दादानगर, जिला कानपुर नगर को गिरफ्तार किया गया ।आरोपियों के पास से 03 मोबाइल (01 रियलमी,

01 सैमसंग व 01 वीवो) के साथ गिरफ्तार किया गया ।सुरक्षा बालों द्वारा पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि वे अपने नशे की पूर्ति एवं शौक के लिए ट्रेनों से मौका पाकर यात्रियों का सामान व मोबाइल चोरी करते हैं ।आरोपियों ने बताया उक्त 3 मोबाइल में से 01 मोबाइल करीबन 01 वर्ष पूर्व व 02 मोबाइल करीबन 07-08 महीने पहले कानपुर सेंट्रल से गुजरने वाली ट्रेनों से चोरी किए गए हैं ।

प्रधान मुख्य संरक्षा आयुक्त ने अत्याधुनिक आरबीएमवी मशीनों का किया निरीक्षण

भारत संवाद

आज दिनांक 02.07.2025 को प्रधान मुख्य संरक्षा आयुक्त/पूर्वोत्तर परिमंडल, श्री जनक कुमार गर्ग ने अत्याधुनिक आरबीएमवी मशीन का निरीक्षण किया । इस निरीक्षण के दौरान पर मण्डल रेल प्रबन्धक/प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल, अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/इन्फ्रा, श्री नवीन प्रकाश, उप मुख्य यातायात प्रबन्धक/कानपुर, श्री आशुतोष सिंह एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।इस अवसर पर प्रधान मुख्य संरक्षा आयुक्त श्री जनक कुमार गर्ग ने मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज मंडल सहित उपस्थित अन्य अधिकारियों एवं आरडीएसओ के अधिकारियों के साथ आरबीएमवी मशीनों की तकनीकी बारीकियों के विषय पर चर्चा की तथा इन मशीनों का स्थलीय निरीक्षण भी किया ।मेक इन इंडिया के अंतर्गत फूलटास इंडिया, हरिद्वार द्वारा निर्मित आरबीएमवी -2401 मशीन एवं सैन इन्जीनियरिंग एण्ड लोकोमोटिव लिमिटेड, बैंगलोर द्वारा निर्मित आरबीएमवी -001 मशीन का गहन निरीक्षण किया गया ।इन मशीनों का लोको लाइन, कानपुर से रुमा स्टेशन के मध्य 100 किमी/घंटा की गति से सफलतापूर्वक स्पीड ट्रायल रन भी किया गया ।दोंनो मशीनें रेलपथ के नियमित अनुरक्षण के कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगी साथ ही रेल फ्लाई ओवर एवं रोड ओवर ब्रिजों के निचले हिस्सों के बेहतर अनुरक्षण में भी सहायक होगा ।इन मशीनों से समय व मैनपावर की बचत होगी ।इन मशीनों के उपयोग से रेलवे की कार्यप्रगति को नई दिशा मिलेगी ।

रेलवे सुरक्षा बल/प्रयागराज छिवकी ने महिला यात्री का छूटा हुआ ट्रॉली बैग व थैला किया सुपुर्द

भारत संवाद

रेलवे सुरक्षा बल यात्रियों और उनके समान की सुरक्षा के लिए स्टेशन परिसर एवं गाड़ियों में आपरेशन अमानत अभियान निरंतर चलती रहती है । इस अभियान के अंतर्गत गाड़ियों एवं रेलवे परिसर में यात्रियों के छूटे या खो गए समान को तलाशकर उन्हें वापस लौटाया जाता है । इसी क्रम में दिनांक 02.07.2025 को रेलवे हेल्पलाइन से प्राप्त सूचना के आधार पर रेलवे सुरक्षा बल/ प्रयागराज छिवकी के सहायक उप निरीक्षक जितेंद्र कुशवाहा एवं हेड कांस्टेबल संतोष कुमार यादव ने गाड़ी संख्या 01010 दानापुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल के प्रयागराज छिवकी स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या -3 पर आने पर संबंधित कोच संख्या -इ3 को अटेंड किया ।उक्त कोच को

अटेंड करने पर कोच अटेंडेंट द्वारा स्काई ब्लू अल्फा ट्रॉल बैग लॉक बंद हालत में व विमल का थैला जिसमें खाने-पीने का सामान था रेलवे सुरक्षा बल को सौंपा गया। जिसे उतारकर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज छिवकी पर रखा गया शिकायतकर्ता उमाशंकर शर्मा, निवासी -रमाबाई नगर जो आरा से ठाणे की यात्रा कर रहे थे का स्काई ब्लू अल्फा ट्रॉल बैग लॉक बंद हालत में व विमल का थैला चेक कराकर समान पूरा व संतुष्ट होने पर सहायक उप निरीक्षक जितेंद्र कुशवाहा द्वारा सुपुर्द किया गया। शिकायतकर्ता अपना ट्रॉली बैग खोलकर चेक किया जिसमें लगभग 4 तोला सोने की मंगलसूत्र, एक तोला सोने का कान का झाला, 2 तोला चांदी की चेन व इस्तेमाल वाले कपड़े थे। सामान की कीमत लगभग 568000/ बताया गया।

दिवस

माँ ताप्ती जन्मोत्सव एक पर्व ही नहीं, पर्यावरणीय चेतना का उत्सव भी

माँ ताप्ती केवल एक नदी नहीं, अपितु भारत की सांस्कृतिक चेतना, जीवनधारा और पर्यावरणीय संतुलन की संवाहिका

भारत संवाद

- नदियाँ, केवल जलधारायें नहीं, संस्कृति और जीवन की आधारशिला है
- जल ही जीवन है, नदियों का संरक्षण ही भविष्य का संरक्षण
- प्रकृति का सम्मान, मानवता का उत्थान
- माँ ताप्ती, एक दिव्य धारा : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदनन्द सरस्वती जी ने आज माँ ताप्ती जी के अवतरण दिवस की शुभकामनायें देते हुये कहा कि माँ ताप्ती, एक दिव्य धारा है। वह केवल एक नदी नहीं, अपितु भारत की सांस्कृतिक चेतना, जीवनधारा और पर्यावरणीय संतुलन की संवाहिका है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि माँ ताप्ती जन्मोत्सव हमें नदियों की महत्ता का स्मरण कराता है, साथ ही उनके संरक्षण की आवश्यकता का संकल्प भी देता है। वर्तमान समय में प्रदूषण, अतिक्रमण और जलवायु परिवर्तन के कारण नदियाँ संकट में हैं। यदि हमें भावी पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य देना है, तो नदियों की अविरलता, निर्मलता और पवित्रता को बनाए रखना अनिवार्य है। माँ ताप्ती भारतीय संस्कृति में सूर्य पुत्री के रूप में प्रतिष्ठित हैं। स्कंद पुराण एवं अन्य ग्रंथों के अनुसार माँ ताप्ती जीवनदायिनी और पापहारिणी है। वे न केवल एक प्राकृतिक जलस्रोत हैं, बल्कि श्रद्धा, शक्ति और सद्भाव का प्रतीक भी हैं। भारतवर्ष में नदियाँ सदैव से पूजा एवं

परंपराओं का केंद्र रही हैं। माँ ताप्ती जन्मोत्सव केवल एक पर्व नहीं है, जल, जीवन और संस्कृति के संरक्षण की एक चेतना है, एक आह्वान है ।यह दिन हमें हमारी सनातन परंपराओं का स्मरण कराता है जहाँ प्रकृति और नदियों को देवता का स्थान प्राप्त है। नदियाँ केवल जल की धाराएँ नहीं हैं, वे हमारी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और भौतिक जीवन की आधारशिला हैं। यदि नदियाँ सूख जाएँगी या प्रदूषित होंगी, तो जीवन का संतुलन बिगड़ जाएगा। अतः ताप्ती सहित सभी नदियों की शुद्धता, स्वच्छता और अविरलता को बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। मध्यप्रदेश की भूमि को यह गौरव प्राप्त है कि वह भारत की तीन प्रमुख नदियों, नर्मदा, ताप्ती और चंबल की जननी है। ताप्ती, मध्यप्रदेश से निकलकर महाराष्ट्र और गुजरात होते हुए अरब सागर में मिलती है। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात के आर्थिक-सामाजिक तानेबाने में ताप्ती का योगदान अमूल्य है। ताप्ती जी की विशेषता है कि वह नर्मदा जी के समान पूर्व से पश्चिम दिशा में बहती है, जो भारत में दुर्लभ भूगोलिक घटनाओं में से एक है। यह विशेषता न केवल भौगोलिक दृष्टि से अद्वितीय है, बल्कि भारत की नदी प्रणालियों के विविध स्वरूप को भी दशार्ती है। ताप्ती का बहाव क्षेत्र जैव विविधता, कृषि उत्पादकता और जलवायु संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। माँ ताप्ती केवल एक नदी नहीं, अपितु भारत की सांस्कृतिक चेतना, जीवनधारा और पर्यावरणीय संतुलन की संवाहिका हैं।

25 जुलाई से शुरू हो रही है रामायण यात्रा, तीर्थ यात्रियों को भगवान राम से जुड़े स्थलों को देखने का मिलेगा सुनहरा मौका

भारत संवाद

नई दिल्लीः भारतीय रेल भगवान राम से जुड़े धार्मिक स्थलों के दर्शन करने के इच्छुक तीर्थ यात्रियों के लिए खुशखबरी लेकर आई है। भारतीय रेल के उपक्रम भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) आगामी 25 जुलाई को अयोध्या से रामेश्वरम तक रामायण यात्रा ट्रेन का संचालन करने जा रहा है। दिल्ली के सफदरजंग स्टेशन से शुरू होने वाली इस यात्रा के अंतर्गत तीर्थ यात्रियों को भगवान राम से जुड़ी जगहों अयोध्या, प्रयागराज, चित्रकूट, सीतामढ़ी, जनकपुर, श्रृंगवेरपुर, नासिक, हम्पी से लेकर रामेश्वरम तक घूमने और प्रभु श्रीराम के दर्शन का मौका मिलेगा। यह रामायण यात्रा 16 रातें/17 दिन की होगी। ट्रेन का पहला पड़ाव अयोध्या होगा। जहां तीर्थ यात्रियों को राम जन्मभूमि मंदिर, हनुमान गढ़ी, राम की पैड़ी देखने का सुअवसर मिलेगा। इसके बाद नंदीग्राम में भरत-हनुमान मंदिर और भरत कुंड का दर्शन, जनकपुर (नेपाल में) में राम-जानकी मंदिर, धनुष धाम मंदिर और परशुराम कुंड, सीतामढी (बिहार) में जानकी मंदिर और पुनौरा धाम, बक्सर में राम रेखा घाट, रामेश्वर नाथ मंदिर, वाराणसी में तुलसी मानस मंदिर, संकट मोचन मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा आरती देखने का सुनहरा मौका मिलेगा। इसके बाद रामायण यात्रा ट्रेन यात्रियों को लेकर सीतामढी (उत्तर प्रदेश) की ओर बढ़ेगी जहां सीता समाहित स्थल (सीता माता मंदिर) के दर्शन होंगे। यहां से ट्रेन प्रयागराज जाएगी। जहां त्रिवेणी संगम, हनुमान मंदिर और भारद्वाज आश्रम देखने का मौका मिलेगा। यात्रा को आगे बढ़ाते हुए ट्रेन श्रृंगवेरपुर, चित्रकूट, नासिक, पंचवटी, हम्पी होते हुए रामेश्वरम पहुंचेगी। इन स्थानों पर यात्रियों को क्रमशः श्रृंग ऋषि मंदिर, गुप्त गोदावरी, राम घाट, सती अनुसूया मंदिर, त्रयंबकेश्वर मंदिर, सीता गुफा और कालाराम मंदिर, अंजनाद्री पहाड़ी, विरुपाक्ष मंदिर, विट्ठल मंदिर, रामनाथस्वामी मंदिर और धनुषकोडी का दर्शन होगा। यात्रा के दौरान ट्रेन में चाय, नाश्ता, दोपहर और रात का शाकाहारी भोजन दिया जाएगा।

दौरे की मुख्य बातें :

यात्रा का नामः श्री रामायण यात्रा

अवधिः 16 रातें/17 दिन

यात्रा कार्यक्रमः दिल्ली-अयोध्या-जनकपुर-सीतामढ़ी-बक्सर-वाराणसी-प्रयागराज-श्रृंगवेरपुर-चित्रकूट-नासिक-हम्पी-रामेश्वरम-दिल्ली।

बोर्डिंगः दिल्ली सफदरजंग, गाजियाबाद, अलीगढ, टुंडला जं., इटावा, कानपुर, लखनऊ. झाँसी, ग्वालियर, आगरा कैंट, मथुरा, दिल्ली सफदरजंग से डी-बोर्डिंग।

भाजपा युवा नेता विष्णु शर्मा ने उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री माननीय श्री दयाशंकर सिंह जी बरौली कस्बे में बस चलाने के लिए दिया ज्ञापन

भारत संवाद

अलीगढ। वरौली निवासी युवा भाजापा नेता विष्णु शर्मा ने वरौली क्षेत्र की जनता को आवागमन बर्षो से होरही परेशनी को देखते हुए। यहां लखनऊ जाकर उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री माननीय श्री दया शंकर सिंह जी के आवास 8 कालिदास मार्ग पर जाकर जनता की परेशनी को दूर करने के लिए बरौली कस्बे से बस चलाने अलीगढ, बुलंदशहर, गौतम बुद्धनगर रोडबेज की बसों के संचालन के लिए मत्री दयाशंकर सिंह से मुलाकात कर उन्हें विस्तार से बरौली कस्बे के 15 से 20 किलो मीटर के दायरे में कोई भी आवगमन का साधन नहीं है। बरौली क्षेत्र के गांव की जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बरौली कस्बे के आस पास के गांवों की जनता अलीगढ,दिल्ली, नोएडा आदि अन्य शहरों से रात्रि में भी आना जाना होता है। बस न मिलने के कारण उसको काफी परेशानी झेलनी पड़ती है युवा नेता विष्णु शर्मा ने परिवहन मंत्री से निवेदन किया कि कम से कम एक बस जवां से बरौली, एक बस गभाना से बरौली एक बस पहासू से बरौली तक एक बस अलीगढ़ से बरौली तक बस चलाये जाने के व्यवस्था करने का कष्ट करें जिससे बरौली कस्बे के आस पास गांव के लोगों की समस्या का निराकरण हो सके। परिवहन मंत्री माननीय श्री दया शंकर सिंह जी ने विष्णु शर्मा को आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द इस समस्या का निराकरण किया जायेगा हम शीघ्र ही बरौली से बस चलवाने की व्यवस्था करेंगे।

गौरव चोपड़ा आईआईए सहारनपुर चैप्टर के चेयरमैन मनोनीत

भारत संवाद

सहारनपुर। आईआईए के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल ने वर्ष 2025-26 के लिए संस्था पदाधिकारियों को नामित किये जाने पर एक स्वागत एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन स्थानीय प्रताप मार्किट स्थित आईआईए कार्यालय पर किया गया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामजी सुनेजा व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद मिगलानी आदि ने संयुक्त रूप से घोषणा करते हुए बताया कि इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन की परम्परा में प्रतिवर्ष नये पदाधिकारियों की टीम के चयन का प्रावधान है, इसी व्यवस्था के अन्तर्गत गौरव चोपड़ा को वर्ष 2025-26 के लिए सहारनपुर चैप्टर का चेयरमैन मनोनीत किया गया हैं साथ ही आईआईए सहारनपुर चैप्टर से केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य के रूप में कृष्ण राजीव सिंघल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजीव अरोड़ा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आर. के. धवन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रमोद सडाना व राष्ट्रीय सचिव संजय बजाज एवं मण्डलीय अध्यक्ष सतीश अरोड़ा को नामित किया गया। नवनिर्वाचित चैप्टर चेयरमैन गौरव चोपड़ा ने आईआईए सहारनपुर चैप्टर का कार्यभार सम्भालते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल व सभी पदाधिकारियो का धन्यवाद देते हुए कहा कि आईआईए सहारनपुर चैप्टर का चेयरमैन नियुक्त करके जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी गई है उसका वह पूरी ईमानदारी, कर्मठता व कर्तव्यनिष्ठा से पालन करते हुए संस्था के सदस्यों की समस्याओं का निस्तारण शासन व प्रशासन से करवाने का प्रयास और प्रयत्न करूंगा।बैठक में पूर्व चैप्टर चेयरमैन अशोक गॉधी, निवर्तमान चैप्टर चेयरमैन अनूप खन्ना, सुषमा बजाज, दर्शन कुमार गुप्ता, स०हरजीत सिंह, अनुज कुमार जैन, शिवम गोयल, विनय दहुजा, अशोक छाबड़ा, सुरेन्द्र मोहन कालडा, अरविन्द खन्ना, शिव अरोड़ा, संजय गर्ग, अमित कुमार अरोड़ा, नौशाद अली, गुलबशेर, मनोज जैन, पंकज गोयल, मंनू बंसल, मनोज मित्तल, प्रमोद कुमार आदि सदस्य उपस्थित रहें।

सीए डे पर आईसीएआई ने किया रक्तदान व स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सहारनपुर। दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया सहारनपुर शाखा ने 77वें सीए डे के अवसर पर सामाजिक सरोकार से जुड़ी कई गतिविधियाँ आयोजित कीं। कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसमें ब्रांच चेयरमैन सीए शिवांशु गोयल, वाइस चेयरमैन सीए पंकज चुघ, सेक्रेटरी सीए आनंद मक्कड़ व कोषाध्यक्ष सीए सुनील तोमर सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।सीए वीक के तहत वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य जांच शिविर और रक्तदान शिविर आयोजित किए गए।मैक्स हॉस्पिटल की टीम ने स्वास्थ्य शिविर में निशुल्क परामर्श दिया, जिसमें डॉ. (कर्नल) आदनान मसूद, डॉ. आरुषि गर्ग और डॉ. अंजलि बागला शामिल रहीं।बजोरिया रोड स्थित सिविल हॉस्पिटल में लगे रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। साथ ही अस्पताल परिसर में छबील लगाकर ठंडा जल वितरण भी किया गया।

फास्ट ट्रैक

गांजे के साथ युवक गिरफ्तार,भेजा जेल

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़ लोधा थाना रोरावर पुलिस मंगलवार शाम को गस्त पर थी उसी दौरान मुखबिर ने सूचित किया कि गोंडा रोड पर स्कूटी सवार युवक गांजा बेचने की फिराक में है तभी मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी शिवशंकर गुप्ता,सिपाही धर्मेंद्र कुमार,नरेंद्र,शिशुपाल व राजेंद्र मुखबिर के बताये अनुसार गोंडा रोड पर भीमपुर बिजलीघर के पास स्कूटी सवार युवक को पकड़ लिया तलाशी के दौरान युवक से एक किलो डेढ सौ ग्राम गांजा मिला पूछताछ में युवक ने अपना नाम भूपेंद्र पुत्र राजकुमार जाट निवासी कस्वा पेंठ गोंडा बताया पुलिस ने शाम को मुकदमा दर्ज करके बुधवार को जेल भेज दिया। बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले शराब एवं जुए में कार्रवाई की जा चुकी है

स्कूल वाहनों की सघन जांच एवं 15 जुलाई तक विशेष चेकिंग अभियान शुरू -आरटीओ

अलीगढ़ में परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई
04 बसें सीज एवं एक दर्जन से अधिक चालान

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): मण्डल में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सम्भागीय परिवहन अधिकारी दीपक शाह ने सभी सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारियों, यात्री एवं मालकर अधिकारियों को अपने-अपने जिलों में स्कूल वाहनों की व्यापक जांच करने के आदेश जारी किए हैं। यह विशेष जांच अभियान 15 जुलाई 2025 तक चलेगा। आरटीओ दीपक शाह ने स्पष्ट किया है कि 01 जुलाई से स्कूलों के पुनः संचालित होने से स्कूली बच्चों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए जिलेवार स्कूली वाहनों की सूची तैयार कर उनके फिटनेस, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र का शत-प्रतिशत सत्यापन कराया जाए।फिट एवं अनफिट वाहनों की अलग-अलग सूची बनाकर स्कूल प्रबंधन एवं वाहन स्वामियों के साथ बैठक कर उन्हें निर्धारित मानकों के अनुरूप वाहन संचालन हेतु निर्देशित किया जाए।उन्होंने जांच के दौरान मानकों के विपरीत या अनफिट पाए गए वाहनों के परमिट निरस्त करने, चालान की कार्यवाही करने और भौतिक सत्यापन में जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पाए गए वाहनों के स्थान पर मानक के अनुरूप अन्य वाहन लगाने के निर्देश दिए।आरटीओ ने इसके अतिरिक्त मण्डल के चारों जिले में उत्तर प्रदेश मोटरयान (छब्बीसवाँ संशोधन) नियमावली 2019 के अनुरूप गठित जिला स्कूल वाहन परिवहन सुरक्षा समिति एवं विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति की नियमित बैठकें कराकर अभिभावकों, स्कूल प्रबंधन व स्थानीय प्रशासन के सहयोग से स्कूल वाहनों की व्यवस्था को मानकों के अनुसार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने अभियान की प्रगति एवं प्रतिदिन की गई कार्रवाई की सूचना निर्धारित प्रारूप में परिवहन आयुक्त कार्यालय को ई-मेल पर भेजने के भी निर्देश दिए हैं। आरटीओ दीपक शाह ने कहा है कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मानकों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क निर्माण के विवाद को नगर आयुक्त ने पहुँचकर सुलझाया, नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

जमालपुर बड़े नाला के दोनों तरफ कर रखे अतिक्रमण की जल्द होगी पैमाइश,जमालपुर नाले की सड़क का होगा चौड़ीकरण

डोली शर्मा संवादाता महानगर/ भारत संवाद

अलीगढ़ ।महानगर के जमालपुर वार्ड 59 में सड़क निर्माण के विवाद के कारण लोगों को झेलनी पड़ रही परेशानी को देखते हुए नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने पार्षद असलम नूर के साथ जमालपुर बड़ी मस्जिद वाली गली में सड़क निर्माण के विवाद को मौके पर जाकर देखा। वहीं स्थानीय लोगों से विवादित सड़क निर्माण व सड़क से स्थाई अतिक्रमण को हटाने के लिए लोगों से बातचीत की वहां के निवासी लोगों की सहमति के आधार पर सड़क को नियमानुसार निर्माण कराये जाने के लिए नगर आयुक्त ने सहायक अभियंता दानिश नकवी को शीघ्रता अगले तीन दिनों में सड़क निर्माण कार्य को पूरा करने के दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पार्षद असलम नूर ने जमालपुर नाले के दोनों तरफ कर रखे अवैध अतिक्रमण के कारण सड़क पर जाम लगने की समस्या से नगर आयुक्त को मौके पर दिखाया, नगर आयुक्त ने वहीं पर नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त सपत्ति प्रभारी वीर सिंह को बुलाया और इस सड़क की पैमाइश कराये जाने व अवैध अतिक्रमण को चिन्हित करने के लिए आदेश दिया। खैर रोड पर जल भराव की स्थिति देखने पहुँचे नगर आयुक्त को मौके पर तीन मोबाइल पंप पूरी क्षमता के साथ चलते हुए मिले लेकिन चेतावनी के बावजूद नाले के ऊपर से अवैध रूप से रैंप और स्लैब डालकर अतिक्रमण किए गए भवन स्वामी और दुकान स्वामियों द्वारा किये गये अतिक्रमण को नहीं हटाने की वजह से जल निकासी पूर्ण रूप से नहीं हो रही थी जिस पर नगर आयुक्त ने सख्त नाराजगी जताई।वहीं मौजूद सहायक नगर आयुक्त को बताया कल सुबह तक इस तरह के अतिक्रमणों को चिन्हित कर लिया गया तथा उन्हें हटाने के लिए पुलिस के साथ प्रशासन की मौजूदगी में कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त ने कहा जल निकासी में बाधक अतिक्रमण किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे ऐसे भवन स्वामी व दुकानदारों से अपील की जाती है जल निकासी को सही ढंग करना के लिए नगर निगम का सहयोग करें तथा अपने अपने नाले के ऊपर स्लैब और रैंप को स्वयं हटालें।

डीएम व सीडीओ द्वारा संयुक्त रूप से नव निमार्णाधीन मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय हलियापुर, वि0ख0 बल्दीराय का किया गया औचक निरीक्षण

जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रयुक्त निर्माण सामग्री की गुणवत्ता जॉच कराने के दिये गये निर्देश।

भारत संवाद

सुलतानपुर ,जिलाधिकारी कुमार हर्ष व मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक द्वारा संयुक्त रूप से नव निमार्णाधीन मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय हलियापुर, वि0ख0 बल्दीराय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा मुख्य भवन, मिडडे मील, बाल वाटिका, मल्टीपरपज हॉल, क्लासरूम, प्रधानाचार्य आवास, कर्मचारी आवास के निर्माण कार्य व प्रयुक्त निर्माण सामग्री का अवलोकन कर जायजा लिया गया।

नव निमार्णाधीन मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय हलियापुर, वि0ख0 बल्दीराय की कुल निर्माण लागत रू. 23 करोड़ 59 लाख है, जिसमें से 50 प्रतिशत धनराशि अवमुक्त की गयी। कार्यदायी संस्था यू0पी0पी0सी0एल0 है। उक्त परियोजना के अन्तर्गत एक ही परिसर में प्री-प्राइमरी से कक्षा-12 तक के कुल 30 क्लासरूम, स्मार्टक्लास, रोबोटिक लर्निंग ट्रेनिंग कक्ष, लैंग्वेज, मैथ, साइंस व कंप्यूटर कक्ष, मल्टीपरपज हाल, खेल कूद का मैदान, मुख्य भवन, मिड्डे मील, बाल वाटिका, मल्टीपरपस हॉल, क्लासरूम, प्रधानाचार्य आवास, कर्मचारी आवास आदि का निर्माण कार्य कराया जाना है।

निरीक्षण के दौरान मुख्य भवन, मिडडे मील, बाल वाटिका, मल्टीपरपज हॉल, क्लासरूम, प्रधानाचार्य आवास, कर्मचारी आवास आदि के प्लिंथ लेवल तक का कार्य पूर्ण तथा सुपर स्ट्रक्चर का कार्य प्रगति पर है। मौके पर लगभग 10 से 12 श्रमिक कार्य करते हुए पाए गये। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रयुक्त ईट, सीमेंट, सरिया आदि की लैब में गुणवत्ता जाँच हेतु सैंपल इकट्ठा कराया गया। सम्बन्धित द्वारा अवगत कराया गया कि निर्माण कार्य मार्च, 2025 में प्रारम्भ हुआ है, जिसे मार्च, 2027 तक पूर्ण किया जाना है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सम्बन्धित कार्यदायी संस्था के जे.ई. से स्टीमेट व भौतिक स्तर पर निमार्णाधीन बिल्डिंग के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गयी। डीएम द्वारा सम्बन्धित कार्यदायी संस्था के जे.ई. को निर्देशित किया गया कि प्रयुक्त निर्माण सामग्री की गुणवत्ता जांच थर्ड पार्टी से कराते हुए उसकी रिपोर्ट ससमय उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि कार्य ससमय व गुणवत्तापूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी बल्दीराय मंजुल मयंक व तहसीलदार उपस्थित रहे।

खैर रोड पर गरजा महाबली- जलनिकासी में बाधक अतिक्रमण को महाबली ने किया ध्वस्त

नगर आयुक्त की चेतावनी-नाला सफाई, जल निकासी में सहयोग करें-खलल डालने वालों पर सख्ती से होगी कार्यवाई

भारत संवाद

बारिश में जल निकासी को प्रभावी बनाने के लिए प्रयासरत नगर निगम ने खैर रोड पर पिछले काफी दिनों से हो रहे जल भराव को देखते हुए जल निकासी में बाधक रैंप, स्लैब आदि अतिक्रमण को ध्वस्त करने की जमकर कार्यवाई की। इन स्थाई अतिक्रमण की वजह से खैर रोड पर नाला सफाई और जल निकासी बाधित हो रही थी स्थानीय लोगों ने विरोध किया परंतु नगर निगम की टीम के आगे एक न चली।बुधवार सुबह 10:00 बजे सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह के नेतृत्व में नगर निगम प्रवर्तन टीम द्वारा खैर रोड पर दोनों साइडों पर अवैध अतिक्रमण को हटाने का अभियान चलाया गया। अतिक्रमण करने वालों को नगर निगम ने चेतावनी दी की दोबारा अतिक्रमण करने पर नगर निगम द्वारा कानूनी कार्रवाई करेगा नगर आयुक्त ने बताया अतिक्रमण हटाने के पश्चात वीडियोग्राफी कराई गई है जो लोग दोबारा जल निकासी और नाला सफाई में बाधा डालने के उद्देश्य से अतिक्रमण करेंगे उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाई की जाएगी।

संस्कारशाला कार्यक्रम आयोजित

बच्चों ने दिखाई सांस्कृतिक प्रतिभा, मंथनपरियोजना के तहत हुआ आयोजन

भारत संवाद

सहारनपुर। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा संचालित मंथन, सम्पूर्ण विकास केन्द्र के अंतर्गत 29 जून को संस्थान के संत्संग आश्रम परिसर में संस्कारशाला कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का संचालन संस्थान के संस्थापक श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्याओं द साध्वी सुश्री अम्बालिकाभारती जी, पूजा भारती जी, सोमप्रभा भारती जी एवं किरण भारती जी द्वारा किया गया। इन साध्वियों ने बच्चों को जीवन मूल्यों, नैतिकता और संस्कारों का महत्व सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया।

शिक्षा उदय कार्यक्रम के तहत रोटरी क्लब ऑफ अलीगढ़ रॉयल ने बच्चों को किया स्कूल बैग का वितरण

गोपाल शर्मा संवादाता गभाना / भारत संवाद

अलीगढ़। रोटरी क्लब रॉयल ने पूर्व निर्धारित शिक्षा उदय कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम उच्च माध्यमिक विद्यालय सिंघारपुर के समस्त छात्र छात्राओं को स्कूल बैग वितरित किए गए। इस दौरान कार्यक्रम का शुभारंभ खण्ड शिक्षा अधिकारी राम शंकर कुरील व क्लब के असिस्टेंट गवर्नर विनय कुमार वैश द्वारा संयुक्त रूप से किया कार्यक्रम में चेयरमैन मोहित अग्रवाल व उनकी समस्त टीम के भी मौजूद रही ।वहीं विद्यालय के पहले दिन यह उपहार पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल गये। इसके वाद प्राथमिक विद्यालय बोबला, प्राथमिक विद्यालय नंबर वन मडराक व आरजीएस कन्या जूनियर हाई स्कूल कलुआ पर भी रोटरी क्लब के सदस्यों द्वारा बच्चों को बैग वितरित किए गए। इस पुनीत कार्य के लिए सभी विद्यालयों के शिक्षकगणों व स्टाफ ने क्लब के सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष पुलकित अग्रवाल, सचिव सौरभ महेश्वरी, कोषाध्यक्ष अभिषेक भार्गव, कार्यक्रम अध्यक्ष मोहित अग्रवाल, संयोजक संचित अग्रवाल, मीडिया कोऑर्डिनेटर शरद बंसल, गणेश विशाल अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, ऋषभ गर्ग, निखिल अग्रवाल, मयूर अग्रवाल,अमित, ईशान बंसल, शलभ अग्रवाल,तुषार अग्रवाल और अंकुर अग्रवाल आदि दर्जनों लोग मौजूद रहे।

31वीं अमरनाथ, वैष्णो देवी यात्रा रवाना

पूजा-अर्चना के बाद हरी झंडी दिखाकर किया गया शुभारंभ

भारत संवाद

सहारनपुर। श्री अमरनाथ सेवा समिति, पुरानी मंडी चैक द्वारा आयोजित 31वीं श्री अमरनाथ एवं माता वैष्णो देवी यात्रा का बुधवार को बुड़ढी माई चैक से विधिविधान के साथ शुभारंभ हुआ।

यात्रा के रवाना होने से पूर्व पंडित प्रदीप कौशिक के आचार्यत्व में विशेष पूजा-अर्चना व हवन का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने शिव मंत्रोच्चार और भजन-कीर्तन के साथ भाग लिया। इस अवसर पर सहारनपुर नगर निगम के महापौर डॉ. अजय सिंह तथा नगर विधायक राजीव गुंबर विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों ने समिति के पदाधिकारियों और स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर नारियल फोड़ा और हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने अपना नाम मोहम्मद आजम खान से बदल कर मोहम्मद आजम जमील खान पुत्र जमील खान निवासी ग्राम भुलसा, पोस्ट भदरी, हथिगवां, प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) पिनकोड- 230201 रख लिया है। अब मुझे मोहम्मद आजम जमील खान के नाम से जाना व पहचाना जाए।

मोहम्मद आजम जमील खान पुत्र जमील खान निवासी ग्राम भुलसा, पोस्ट भदरी, हथिगवां, प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) पिनकोड- 230201

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने अपना नाम शमशाद उल्ला के स्थान पर मुहम्मद शमशाद पुत्र नूर उल्ला निवासी मोहल्ला रजागंज, वार्ड नं.-02, लालगोपालगंज, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश), पिनकोड- 229413 रख लिया है। अब मुझे मो मुहम्मद शमशाद के नाम से जाना व पहचाना जाए।

मुहम्मद शमशाद पुत्र नूर उल्ला निवासी मोहल्ला रजागंज, वार्ड नं.-02, लालगोपालगंज, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश), पिनकोड- 229413

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 3620252026 — **निविदा सूचना** — दिनांकः 30.06.2025

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक **23.07.2025** को **13:30** बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैः

निविदा नं.: 115 **कार्यो का विवरणः** वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/प्रथम/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज के अधीन कार्यवधि 30.06.2026 तक वार्षिक बागवानी की रख-रखाव का कार्य।

अनुमानित लागतः ₹ 7500000.00, बयाने की रकमः ₹ 150000/-, कार्य समापन की अवधिः 12 माह, **निविदा खुलने की तिथिः 23.07.2025, सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः** कोई बागवानी की रख-रखाव का कार्य।

नोटः 1. आनलाइन निविदा खुलने की तिथि को **13:30** बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। **2.** उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर समय **13:30** बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है। **1138/25 FA**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.:- 3720252026 — **दिनांक :- 30.06.2025**

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज निम्न लिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई निविदा सूचना स. : 3720252026-116	**अनुमानित लागत (रू. में) :** Rs.1,26,91,214.89
कार्य का नाम : संयुक्त निविदा : (ए) प्रयागराज : सुपर-फास्ट वाशिंग लाइन कॉम्प्लेक्स के HWH छोर के साथ KCN और MZP लाइन के लिए सीसी मार्ग का प्रावधान। **(बी)** प्रयागराज के SFWL में पुरानी जल पाइप लाइनों को G.I पाइपों से प्रतिस्थापित करना। **(सी)** प्रयागराज - PRYJ स्टेशन के PF- 7,8,9 और 10 पर त्वरित सिंचाई व्यवस्था के संबंध में सिविल कार्य।	
अमानत राशि (रू. में) : Rs. 2,13,500.00	**कार्य समापन की अवधि :** 06 माह
कार्य की प्रकृति : कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।	
ई निविदा सूचना स. : 3720252026-117	**अनुमानित लागत (रू. में) :** Rs.49,07,363.5
कार्य का नाम : डीएसए ग्राउंड, प्रयागराज में स्विमिंग पूल और ऑफिसर क्लब की भारी मरम्मत।	
अमानत राशि (रू. में) : Rs. 98,200.00	**कार्य समापन की अवधि :** 03 माह
कार्य की प्रकृति : लागू नहीं।	
निविदा बंद होने की तिथि : 24.07.2025 को 12:00 बजे	

नोट : पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। **1140/25(AS)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

No. RS/Mech/RMPU trough/SS/PRYJ&CNB/25 — **दिनांकः 30.06.2025**

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कोचिंग, प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे, द्वारा निम्न लिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा बंद होने की तिथि के **15:00** बजे तक आमंत्रित की जाती है-

ई-निविदा सूचना संख्याः NCR-M-PRYJ-RMPU-05-25, **कार्य का नामः** प्रयागराज और कानपुर कोचिंग डिपो के LHB एसी कोच में FRP RMPU ट्रफ को हटाने और स्टेनलेस स्टील ट्रफ असेंबली की आपूर्ति और फिटमेंट।	
कार्य का अनुमानित लागत (₹ में): ₹ 56,16,000/-	**बिड सिक्योरिटीः** ₹ 1,12,300/-
निविदा सिस्टम : सिंगल पैकेट सिस्टम	**निविदा प्रपत्र का मूल्यः** ₹ शून्य
IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथिः 30.06.2025	
निविदा बंद होने की तिथि : 23.07.2025	**कार्य की अवधि :** 18 माह

नोटः (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होगा। **(2)** ऑनलाइन ई-निविदा केवल IREPS वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि के **15:00** बजे तक ऑनलाइन जमा की जा सकती है। **(3)** उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नही की जायेगी। **(4) न्यूनतम पात्रता मानदंडः इस निविदा में लागू है। (5)** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **1143/25 (MG)**

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

पके कटहल से दूर होंगी कई बीमारियां

गर्मियों के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

हार्ट के साथ-साथ शरीर के लिए भी फायदेमंद होगी ये एक्सरसाइज

कोई भी बीमारी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती। इन दिनों खराब लाइफस्टाइल और गलत खान-पान के कारण हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए अच्छी डाइट और व्यायाम करना बहुत ही जरुरी है। एक्सरसाइज करने से आपका शरीर एकदम फूर्तीला रहता है और आप बीमारियों से भी दूर रहेंगे। आज आपको कुछ ऐसी एक्सरसाइज बताएंगे जो आपके हार्ट के साथ-साथ आपके स्वस्थ शरीर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होगी। तो चलिए जानते हैं उनके बारे में.

कार्डियो एक्सरसाइज करें

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप कार्डियो एक्सरसाइज को अपनी डेली रुटीन में शामिल कर सकते हैं। इसमें जॉगिंग, साइकिलिंग और वॉक भी शामिल हैं। इससे आपके हृदय की गति तेज होगी और साथ में हृदय की मांसपेशियों की भी एक्सरसाइज होगी।

स्ट्रेचिंग और वेट लिफ्टिंग

आप अच्छे स्वास्थ्य और दिल को स्वस्थ रखने के लिए वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग भी कर सकते हैं। स्ट्रेचिंग करने से आपके शरीर में लचीलापन आता है। साथ ही वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज करने से आपका वजन कंट्रोल में रहता है और शरीर में ताकत भी आती है। वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज में आप पुशअप्स, स्क्वैट्स, पुलअप्स जैसी एक्सरसाइज को अपनी रुटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

जंपिंग जैक एक्सरसाइज करें

जंपिंग जैक एक्सरसाइज आपके हेल्दी हार्ट के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इससे आपका हृदय स्वस्थ रहता है। इससे हृदय की गति भी बहुत अच्छे से होती है।

- सबसे पहले आप सीधे खड़े हो जाएं।
- इसके बाद ऊपर की ओर उछलें और अपने हाथों को भी ऊपर उठा लें।
- हाथ उठाने के बाद पैरों को भी फैला लें।
- ऐसे ही 10-15 मिनट तक करें और फिर नीचे नार्मल पॉजिशन में आ जाएं।

हर्डल जंप करें

आप हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप हर्डल जंप एक्सरसाइज भी कर सकते हैं। इसमें आप किसी हर्डल को लेकर उसके ऊपर से जंप करें। आप डंबल, बॉक्य या फिर किसी स्टेपर का हर्डल के रुप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इन चीजों को आप उछल कर पार करें। इस एक्सरसाइज से आपकी हार्ट बीट तेज होगी। हार्ट बीट तेज होने से आपका दिल मजबूत बनेगा।

बर्पी एक्सरसाइज करें

बर्पी एक्सरसाइज आपकी बाजुओं , टांगों और छाती के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इस एक्सरसाइज में स्क्वाट, पुशअप, जंपिंग तीनों चीजें एकसाथ की जाती है। यह तीनों एक्सरसाइज आपको एक सैट में ही करनी पड़ती हैं। इस एक्सरसाइज से आपकी हृदय गति तेज होगी और दिल की धड़कन एकदम नॉर्मल हो जाएगी।

नुकसानदेह भी है सरसों

भारतीय खानों में अक्सर सरसों के तेल के इस्तेमाल पर ज़ोर दिया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सरसों का तेल भारतीय मौसम के हिसाब से सेहत और सुंदरता के लिए फायदेमंद माना जाता है। यहां तक कि आयुर्वेद में भी सरसों के तेल का इस्तेमाल कई दवाइयों और उपचार में किया जाता है। सरसों के बारे में हर कोई जानता है। यह भारतीय किचन में मसाले के रूप में उपयोग होने वाली मुख्य सामग्री है। इसका इस्तेमाल अक्सर किसी खास रेसिपी बनाने या तडक़ा लगाने के लिए किया जाता है। इतना ही नहीं सरसों के तेल का इस्तेमाल भी भारतीय घरों में खूब होता है। बेहतरीन स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के लिए लोग अलग-अलग तरह से इसका उपयोग करते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, चाहे वह सरसों का तेल हो, पेस्ट हो या फिर कच्ची पत्तियां सभी हेल्दी मिनरल्स से भरपूर हैं। यह ओमेगा 3 फैटी एसिड का भी बेहतरीन स्त्रोत है और इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। लेकिन अगर आप जरूरत से ज्यादा सरसों का सेवन करते हैं, तो इससे स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है। कई स्थितियों में यह जानलेवा तक साबित हो सकती है। अगर आप भी लंबे समय से सरसों के तेल या बीज का सेवन कर रहे हैं, तो आपको इसके साइड इफेक्ट्स के बारे में जरूर जानना चाहिए।

राइनाइटिस का खतरा

सरसों के तेल के लगातार सेवन से कई लोगों को राइनाइटिस हो सकता है। राइनाइटिस में बलगम की झिल्ली में सूजन हो जाती है, जिससे खांसी, छींकना, भरी हुई नाक, नाक से पानी बहाना जैसी समस्याएं शुरू हो सकती हैं।

लंग कैंसर के लिए जिम्मेदार

सरसों के तेल में पाया जाने वाला इरूसिक एसिड फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचाता है।

ड्रॉप्सी रोग

ड्रॉप्सी एक खतरनाक रोग है। यह रोग तेल में पूड़ी, कचौड़ी और पकवान बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए सरसों के तेल में अर्जीमोन तेल के मिलावट, सायनाइड के मिलावट के कारण ड्रॉप्सी की संभावना ज्यादा रहती है। इसका उपयोग करने से गुर्दे, हृदय, आदि अंग कमजोर हो जाते हैं। इससे सादा पानी भी पचता नहीं है और शरीर में दूषित पानी जमा होने लगता है, जिससे पेट फूलने की शिकायत होती है। इस रोग से ग्रसित व्यक्ति के हाथ पैर फूल जाते हैं।

एलर्जी की समस्या

अगर आप अपने खाने में अधिक मात्रा में सरसों के दाने या तेल का सेवन करते हैं, तो एलर्जी हो सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि सरसों से होने वाली एलर्जी सबसे गंभीर एलर्जी में से एक है। दरअसल, इसके सेवन से हिस्टामाइन में वृद्धि के साथ एनाफिलेक्टिक शॉक भी हो सकता है। पित्ती और त्वचा पर दाने, सांस फूलना, चक्कर आना, उल्टी, गले, चेहरे और आंखों में सूजन इसके मुख्य लक्षण हैं।

दिल के रोग का खतरा

आज भी कई घरों में सरसों के तेल में खाना बनाया जाता है। लेकिन सच मानिए तो हर दिन इसका इस्तेमाल दिल की सेहत के लिए अच्छा नहीं है। क्योंकि इसमें इरूसिक एसिड बहुत ज्यादा होता है, जो दिल के लिए खतरा पैदा करता है। सरसों के अधिक उपयोग से मायोकार्डियल पिलिडोसिस की समस्या हो सकती है। जिसमें ट्राइग्लिसराइड के बनने के कारण हृदय की मांसपेशियों के मायोकार्डियल फाइबर में फाइब्रॉटिक घाव विकसित होते हैं। जो हृदय की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचाने के साथ हार्ट फेलियर के लिए भी जिम्मेदार होते हैं।

गर्मी में रखें अपनी आंखों को सुरक्षित

पूरे भारत में गर्मी का हाल बेहाल है। बढ़ती गर्मी के कारण व्यक्ति कई प्रकार की बीमारियों का शिकार हो रहा है। इनमें मुख्य है त्वचा सम्बन्धी रोग और दूसरा है नेत्र सम्बन्धी रोग। दिन-ब-दिन तापमान बढ़ता जा रहा है और भीषण गर्मी असहनीय होती जा रही है। ऐसे में लोग गर्मी से अपना बचाव करते हैं। हम अपने शरीर को ऊपर से नीचे तक कपड़े और सनस्क्रीन से ढक सकते हैं, लेकिन हमारी आंखों को हम सुरक्षित नहीं कर पाते। गर्मी की वजह से शरीर से ज्यादा तकलीफ हमारी आँखों को होती है। आंखें न केवल हानिकारक यूवी किरणों के सम्पर्क में आती हैं बल्कि गन्दगी, प्रदूषण से भी प्रभावित होती हैं। हम कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं जिनका उपयोग करके वे अपनी आँखों को इस भीषण गर्मी में संक्रमित होने से बचा सकते हैं।

धूप का चश्मा

जिस तरह आप अपने शरीर को कपड़ों से ढकते हैं, दस्ताने से लेकर टोपी तक, उसी तरह आपकी आंखों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है। अपने घर से बाहर निकलते समय, यूवी किरणों को सीधे अपनी आंखों में प्रवेश करने से रोकने के लिए आपको सन ग्लास अर्थात धूप का चश्मा अपनी आँखों पर लगाना चाहिए।

कम से कम 8 घंटे सोएँ

गर्मी के दिनों में प्रयास करके अपनी आंखों को पूरा आराम दें। इसके लिए जरूरी है कि आप कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लें। आठ घंटे की नींद लेने न केवल आपकी आँखें पूरी तरह से सुरक्षित रहती हैं अपितु यह आपके शरीर को भी पूरा आराम प्रदान करता है। साथ ही आपके इम्युनिटी पावर को भी बरकरार रखता है।

ठंडे पानी से बार बार आंखें धोएं

अपनी आंखों को ठंडा रखने के लिए उन्हें ठंडे पानी से बार-बार धोने की कोशिश करें। ठंडा पानी आंखों से गर्मी को दूर करने में मदद करता है और उन्हें बेहतर महसूस कराता है। अपनी आंखों को लुब्रिकेट करें हमारी आंखें नमी खो देती हैं और सूखी और खुजलीदार हो जाती हैं। ऐसे में ढेर सारा पानी पीकर शरीर को हाइड्रेट रखना चाहिए। जो लोग ऑफिस में लगातार कम्प्यूटर के सामने बैठकर काम करते हैं उन्हें अपनी आँखों को लेकर संजीदगी बरतनी चाहिए। उन्हें कम्प्यूटर पर काम शुरू करने से पहले अपनी आँखों को आई ड्रॉप्स से धोना चाहिए। आठ से दस घंटे लगातार कम्प्यूटर पर काम करने वाले लोगों को ऐसा कम से कम 3 बार करना चाहिए। आँखों में आई ड्रॉप्स डालने से आँखों की चिकनाई बरकरार रहती है।

आंखों पर सनस्क्रीन का प्रयोग करने से बचें

अधिकांश युवा अपने चेहरे को सन स्क्रीन से बचाने के लिए क्रीम का प्रयोग करते हैं। इस क्रीम को लगाते वक्त वे उसको पलकों और भौंह पर भी लगा देते हैं। यदि आप ऐसा करते हैं तो यह गलत है। आपको अपनी पलकों या आँखों पर सनस्क्रीन लगाने से बचाव करना चाहिए, क्योंकि इससे वे लाल और खुजलीदार हो सकते हैं।

आर्थराइटिस पेन को गठिया का दर्द भी कहा जाता है। जिसे कम करने के लिए कुछ चीजों का सेवन करना चाहिए। शोधों में इन फूड्स को दर्द और इंफ्लामेशन से छुटकारा दिलाने वाला पाया गया है।

जड़ से खत्म होगा गठिया का दर्द

बुढ़ापे के साथ जोड़ों का दर्द भी आना आम बात है। इस रोग को गठिया या आर्थराइटिस भी कहा जाता है। उम्र के साथ घुटनों, कोहनी आदि हड्डी के जोड़ों की मूवमेंट कम होने लगती है और इंफ्लामेशन बढ़ने लगती है। जिसकी वजह से सूजन, दर्द, अकड़न जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। इस बीमारी में कुछ एंटी-इंफ्लामेटरी फूड्स रामबाण साबित हो सकते हैं। इन खाद्य पदार्थों में दर्द को कम करने वाली शक्ति होती है। इसलिए घर के बड़े-बुजुर्गों को इन चीजों का सेवन जरूर करवाएं।

सेब है गठिया का इलाज

सेब खाकर गठिया के दर्द से राहत पाई जा सकती है। क्योंकि, इसे मोटापे से आई सूजन व इंफ्लामेशन को कम करने में मददगार देखा गया है। जिससे मोटापे के शिकार लोगों में जोड़ों के दर्द में भी कमी देखी गई।

खाने में अच्छी तरह डालें अदरक और हल्दी

अदरक और हल्दी को आयुर्वेद में कई रोगों की दवा माना जाता है। क्योंकि यह एंटी-इंफ्लामेटरी गुणों का भंडार हैं। इन्हें औषधि या भोजन के रूप में लेने पर दर्द, सूजन आदि लक्षणों से राहत पाई जा सकती है।

मशरूम है लाभदायक

मशरूम के अंदर फेनोलिक, इंडोलिक, मायकोस्टेरोइड्स, फैटी एसिड, कैरोटेनोइड्स, विटामिन और बायोमेटल जैसे कई सारे एंटी-इंफ्लामेटरी कंपाउंड होते हैं। यह सभी तत्व आर्थराइटिस के इलाज में मदद करते हैं।

स्ट्रॉबेरी, क्रैनबेरी, ब्लैकबेरी

सभी बेरीज में विटामिन सी और अन्य एटीऑक्सीडेंट्स की भरमार होती है। आर्थराइटिस फाउंडेशन के मुताबिक, इनमें गठिया से लड़ने वाले गुण होते हैं।

अनार खाने के फायदे

अनार के अंदर टैनिन काफी मात्रा में होते हैं। इनमें एंटी-इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं। जो घुटनों के दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इसलिए गठिया के मरीजों के लिए इसका सेवन फायदेमंद माना जाता है

बांग्लादेश में शेख हसीना को छह महीने जेल की सजा

अदालत की अवमानना की दोषी करार; पूर्व पीएम 11 महीने पहले भागकर भारत आई थीं

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अदालत की अवमानना के मामले में छह महीने जेल की सजा सुनाई गई है। बांग्ला अखबार द डेली स्टार के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईटीसी) ने बुधवार को यह सजा सुनाई।

आईटीसी ने हसीना और एक स्थानीय नेता शकील बुलबुल के बीच हुई फोन बातचीत की जांच करने के बाद यह फैसला सुनाया। यह बातचीत पिछले साल सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी और कई अखबारों ने भी इसे छापा था।

इस कथित ऑडियो क्लिप में शेख हसीना को यह कहते सुना गया कि उनके खिलाफ 227 मुकदमे दर्ज हैं, इसलिए उन्हें 227 लोगों को मारने का लाइसेंस मिल गया है। पिछले साल 5 अगस्त को बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर विद्रोह के बाद शेख हसीना ने पद छोड़ दिया था और उसके तुरंत बाद भारत भाग गई थीं। अदालत ने ऑडियो क्लिप में शेख हसीना की बातों बहुत गंभीर माना और कहा कि यह बयान अदालत का अपमान करने और न्याय को कमजोर करने की कोशिश है। बातचीत में शामिल बुलबुल को भी दो महीने जेल की सजा दी गई है। न्यायाधिकरण ने कहा कि सजा तभी लागू होगी जब हसीना और बुलबुल अदालत के सामने आत्मसमर्पण करेंगे या उन्हें पुलिस गिरफ्तार करेगी। अगर सजा लागू होती है, तो दोनों को गैर-कठोर यानी हल्की जेल की सजा भुगतनी होगी। मामले की सुनवाई इस साल 30 अप्रैल को तब शुरू हुई जब मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने अदालत में यह मामला रखा। उन्होंने कहा कि बातचीत में दी गई धमकियों का मकसद इंसाफ मांगने वाले पीड़ितों और गवाहों को डराना था। बाद में अदालत ने हसीना और बुलबुल को 25 मई तक सफाई देने को कहा, लेकिन दोनों न तो अदालत में पेश हुए और न ही कोई जवाब दिया। इसके बाद अदालत ने अखबारों में नोटिस छपवाया और 3 जून तक पेश होने का मौका दिया। मगर आज की सुनवाई तक भी हसीना न तो खुद आईं और न ही उनके वकील की तरफ से कोई जवाब आया। इस वजह से अदालत ने उनकी अनुपस्थिति में ही सजा सुना दी। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद बनी यूनुस सरकार ने हसीना पर हत्या, अपहरण से लेकर देशद्रोह के 225 से ज्यादा मामले दर्ज किए हैं। बांग्लादेश सरकार ने जुलाई में हुई हत्याओं की वजह से शेख हसीना का पासपोर्ट भी रद्द कर दिया है। वहीं बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। ट्रिब्यूनल ने हसीना को 12 फरवरी तक पेश होने का निर्देश दिया था। बांग्लादेश भारत से हसीना को डिपोर्ट करने की अपील भी कर चुका है। हालांकि भारत सरकार उनका वीजा बढ़ा चुकी है, जिससे यह साफ हो गया कि उन्हें बांग्लादेश डिपोर्ट नहीं किया जाएगा।

70% मुस्लिम आबादी वाले कजाकिस्तान में हिजाब बैन

चेहरा ढकने वाले काले कपड़ों पर भी पाबंदी, राष्ट्रपति बोले- राष्ट्रीय पहचान वाले कपड़े पहनें

एजेंसी

अस्ताना, कजाकिस्तान ने सार्वजनिक जगहों पर चेहरा ढकने वाले कपड़ों पर प्रतिबंध लगा दिया है। सोमवार को राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट तोकायेव ने एक कानून पर हस्ताक्षर किए। इसमें कहा गया है कि चेहरा ढकने वाले कपड़े, जिनसे किसी की पहचान छिपती है, सार्वजनिक जगहों पर नहीं पहने जा सकते। राष्ट्रपति तोकायेव ने कहा- 'चेहरा ढकने वाले काले कपड़ों की बजाय हमारे राष्ट्रीय कपड़े पहनना बेहतर है। ये कपड़े हमारी संस्कृति को दशार्ते हैं और इन्हें बढ़ावा देना चाहिए।' हालांकि, बीमारी,

खराब मौसम, खेल, या सांस्कृतिक कार्यक्रमों में इसकी छूट है। कजाकिस्तान सरकार ने 2023 में स्कूलों में हिजाब पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार का कहना है कि स्कूल यूनिफॉर्म के नियम हिजाब पहनने की इजाजत नहीं देते। इस फैसले के खिलाफ 150 लड़कियों ने स्कूल छोड़ दिया था। कजाकिस्तान में करीब 70% लोग इस्लाम धर्म मानते हैं, जबकि ईसाई धर्म दूसरा सबसे बड़ा धर्म है। कजाकिस्तान के अलावा मध्य एशिया के कई देशों ने भी चेहरा ढकने वाले कपड़ों, जैसे नकाब और बुरका, पर रोक लगाई है। ये देश अपनी संस्कृति और सुरक्षा को बढ़ावा देना चाहते हैं। ताजिकिस्तानः 2024 में ताजिकिस्तान ने हिजाब पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार का कहना था कि यह राष्ट्रीय संस्कृति की रक्षा और कट्टरपंथ को रोकने के लिए है। नियम तोड़ने पर जुमार्ना है। किर्गिस्तानः इसी साल किर्गिस्तान ने नकाब पर रोक लगाई है। नियम तोड़ने पर 230 डॉलर (20 हजार रुपए) का जुमार्ना है। सरकार का कहना है कि यह सुरक्षा और लोगों की पहचान के लिए जरूरी है। उज्बेकिस्तानः उज्बेकिस्तान में बुरका और नकाब पर रोक है और नियम तोड़ने पर 250 डॉलर (22 हजार रुपए) से ज्यादा जुमार्ना है। 2021 में हिजाब की इजाजत दी गई, लेकिन स्कूलों और सरकारी दफ्तरों में इसे लेकर कुछ सीमाएं हैं। सरकार का कहना है कि यह सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता के लिए है। ट्यूनीशियाः 2019 में ट्यूनीशिया ने सरकारी दफ्तरों में नकाब पर रोक लगाई, क्योंकि एक हफ्ते में तीन आत्मघाती बम हमले हुए थे। पहले 2011 तक इस्लामी कपड़ों पर रोक थी, जिसे बाद में हटा लिया गया।

ट्रम्प बोले- भारत से व्यापार समझौता जल्द होगा

टैरिफ काफी कम होंगे; 9 जुलाई से पहले होनी है दोनों देशों में डील

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही एक व्यापार समझौता होगा। जिसमें टैरिफ काफी कम होंगे।

ट्रम्प ने इसे दोनों देशों के बाजारों में बेहतर प्रतिस्पर्धा के लिए अच्छ बताया। भारत और अमेरिका के बीच इस समय द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर वॉशिंगटन में बीते 6 दिनों से बातचीत जारी है।

भारत और अमेरिका के बीच अगर 9 जुलाई तक कोई समझौता नहीं हुआ हुआ तो भारत पर 26% टैरिफ लग सकता है। यह वो तारीख है जब ट्रम्प के सस्पेंडेड टैरिफ दोबारा लागू होंगे।

ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दुनियाभर के करीब 100 देशों पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया था। इसमें भारत पर 26% टैरिफ लगा। फिर 9 अप्रैल को ट्रम्प प्रशासन ने इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया। ट्रम्प ने ये समय भारत जैसे देशों को डील पर फैसले लेने के लिए दिया है।

न्यूज एजेंसी एएनआई ने एक सीनियर अधिकारी के हवाले से बताया कि अगर बातचीत नाकाम रहती है, तो 26% का टैरिफ स्ट्रक्चर तुरंत प्रभाव से फिर से लागू हो जाएगा अमेरिका कृषि

व डेयरी में शुल्क रियायत की मांग कर रहा है। हालांकि भारत ने रुख कड़ा किया है। भारत का मानना है कि जीएम फसलों, कृषि व डेयरी प्रोडक्ट, मेडिकल डिवाइस व डेटा लोकलाइजेशन में ज्यादा छूट दी, तो खाद्य सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के मुख्य वातार्कार राजेश अग्रवाल के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने वॉशिंगटन में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। भारत-अमेरिका डील से जुड़े लोगों ने बताया- हफ्तों पहले हुई बातचीत में मुख्य रूप से भारत और अमेरिका में इंडस्ट्री और कृषि उत्पादों के लिए ज्यादा बाजार पहुंच, टैरिफ में कटौती और नॉन-टैरिफ बैरियर्स पर फोकस रहा। अमेरिकी डेलिगेशन की अगुआई यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ऑफिस के अधिकारियों ने की। जबकि भारतीय व्यापार मंत्रालय की टीम की कमान सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल कर रहे थे। इस समझौते का लक्ष्य दोनों देशों के बीच सालाना द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 190 अरब डॉलर (करीब 16 लाख करोड़) से बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब डॉलर (करीब 43 लाख करोड़) तक ले जाना है।

दलाई लामा बोले- उत्तराधिकारी का चयन बौद्ध परंपराओं से होगा

इसमें चीन की कोई भूमिका नहीं; चीनी प्रवक्ता बोले- केंद्र सरकार की परमिशन लेनी होगी

एजेंसी

धर्मशाला, हिमाचल के धर्मशाला में बुधवार को शुरू हुए 15वें तिब्बती धार्मिक सम्मेलन के मौके पर दलाई लामा की ओर से यह साफ कर दिया गया है कि दलाई लामा की संस्था भविष्य में भी जारी रहेगी। साथ ही उन्होंने यह भी क्लियर किया कि उनके देहांत के बाद उनके उत्तराधिकारी का चयन भी तिब्बती बौद्ध परंपराओं के अनुसार ही होगा। तिब्बत और बौद्ध धर्म में चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए दलाई लामा ने यह भी स्पष्ट

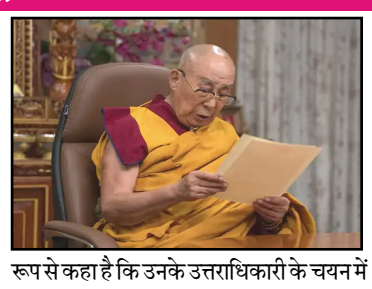

रूप से कहा है कि उनके उत्तराधिकारी के चयन में चीन की कोई भूमिका नहीं होगी। अगर चीन ऐसा करने की कोशिश भी करता है तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बता दें कि धर्मशाला स्थित दलाई लामा लाइब्रेरी एंड आर्काइव में 3 दिवसीय धार्मिक सम्मेलन शुरू हुआ है, जिसमें तिब्बती बौद्ध धर्म की विभिन्न परंपराओं के प्रमुख लामाओं, तिब्बती संसद, सिविल सोसाइटी, संगठनों और दुनिया भर से आए तिब्बती समुदाय के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। 14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो ने वीडियो संदेश के माध्यम से बताया कि उन्होंने अपने उत्तराधिकारी के चयन की जिम्मेदारी 'गादेन फोडंग ट्रस्ट' को सौंपी है। उन्होंने दोहराया कि अगले दलाई लामा की पहचान और मान्यता की पूरी प्रक्रिया का अधिकार केवल ट्रस्ट को है। कोई अन्य व्यक्ति, संगठन या सरकार इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। दलाई लामा ने कहा कि ट्रस्ट के अलावा कोई और अगले दलाई लामा की नियुक्ति नहीं कर सकता है। इस घोषणा ने उन चचाओं पर विराम लगा दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि चीन मौजूदा दलाई लामा की मौत के बाद खुद 15वें दलाई लामा की नियुक्ति कर देगा। दलाई लामा ने अपने वीडियो संदेश में कहा- 1969 में ही हमने यह स्पष्ट कर दिया था कि संस्था को जारी रखने का निर्णय संबंधित लोगों को करना चाहिए।

फोरेंसिक रिपोर्ट से हुई पुष्टि, चंद्रबाबू नायडू का बड़ा दावा-जगन मोहन की कार ने ही रोड शो में व्यक्ति को कुचला

एजेंसी

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए उन पर हिंसा, बेईमानी और धमकी में निहित राजनीतिक संस्कृति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। पूर्वी गोदावरी जिले के कोवूर में पेंशन वितरण समारोह में बोलते हुए नायडू ने मंगलवार को कहा कि जगन का नेतृत्व मानव जीवन के प्रति पूर्ण उपेक्षा को दशार्ता है। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी पलनाडु में हुई एक घटना के बाद आई है, जहां जगन के काफिले में शामिल एक वाहन ने कथित तौर पर 53 वर्षीय व्यक्ति सी सिंगय्या को कुचल दिया था। नायडू ने वाईएसआरसीपी नेतृत्व की प्रतिक्रिया की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने घायल व्यक्ति को मदद दिए बिना मरने के लिए छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि अगर कोई दुर्घटना में घायल होता है, तो हमारी पहली प्रवृत्ति उसे बचाने की होनी चाहिए। लेकिन इसके बजाय, उन्होंने उस व्यक्ति के साथ कुत्ते जैसा व्यवहार किया, उसे एक तरफ फेंक दिया और उसे मरने दिया। नायडू ने वाईएसआरसीपी पर फोरेंसिक साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ करके जांचकताओं

मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी पलनाडु में हुई एक घटना के बाद आई है, जहां जगन के काफिले में शामिल एक वाहन ने कथित तौर पर 53 वर्षीय व्यक्ति सी सिंगय्या को कुचल दिया था। नायडू ने वाईएसआरसीपी नेतृत्व की प्रतिक्रिया की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने घायल व्यक्ति को मदद दिए बिना मरने के लिए छोड़ दिया।

को गुमराह करने का आरोप लगाया। नायडू ने कहा कि अब वे बेशर्मी से कह रहे हैं कि वह उनकी कार के नीचे नहीं, बल्कि किसी अन्य वाहन के नीचे गिरा। वे फर्जी सबूत तैयार कर रहे हैं। लेकिन कभी-कभी ऐसा लगता है कि भगवान खुद हस्तक्षेप कर रहे हैं। फोरेंसिक रिपोर्ट और वीडियो स्पष्ट रूप से सच्चाई दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि सबूतों से पुष्टि होती है कि यह जगन का वाहन था जिसने व्यक्ति को घातक रूप से मारा। उन्होंने यह भी दावा किया कि स्थानीय पुलिस ने वाईएसआरसीपी नेताओं को सुरक्षा चिंताओं के कारण संकरी गलियों में राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित न करने की सलाह दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे फिर भी बल दिखाते हुए आगे बढ़े और उपद्रवियों की तरह व्यवहार किया। पुलिस की संख्या कम थी और उन्होंने उन्हें उचित स्थान पर बैठक आयोजित करने की सलाह दी, लेकिन उन्होंने सभी चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया।

पीएम मोदी को घाना में 21 तोपों की सलामी, राष्ट्रपति महामा ने एयरपोर्ट पर स्वागत किया

नेहरू-अटल के बाद घाना जाने वाले तीसरे भारतीय प्रधानमंत्री

घाना में भारत का यूपीआई सिस्टम लाने पर राष्ट्रपति से मोदी की बातचीत घाना में पीएम मोदी राष्ट्रपति जॉन महामा से मिलेंगे। दोनों नेता द्विपक्षीय व्यापार और रिश्तों पर चर्चा करेंगे। इस दौरान एनर्जी, खेती और डिजिटल तकनीक और वैक्सीन हब डेवलप करने के क्षेत्र में कई समझौते साइन होंगे।

एजेंसी

एक्रॉ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को अफ्रीकी देश घाना पहुंच गए हैं। घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा ने राजधानी एक्रॉ में एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी को 21 तोपों की सलामी के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए एक्रॉ में एक होटल के बाहर बच्चे भारतीय वेशभूषा में पहुंचे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए संस्कृत में श्लोक याद किया है। बच्चे प्रधानमंत्री के पहुंचने पर उनके सामने श्लोक का पाठ करेंगे। मोदी 2 जुलाई से 8 दिनों के लिए 5 देशों की यात्रा पर हैं।

वे सबसे पहले घाना गए हैं। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की 30 सालों में पहली घाना यात्रा है। इससे पहले 1957 में पंडित जवाहरलाल नेहरू और 1995 में नरसिम्हा राव बतौर ढट घाना के दौरे पर पहुंचे थे। घाना के बाद प्रधानमंत्री मोदी त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया जाएंगे। 2014 से अब तक के तीन कार्यकाल में, प्रधानमंत्री की त्रिनिदाद एंड टोबैगो और नामीबिया में भी पहली यात्रा होगी। मोदी ब्राजील में इफकउर समिट में हिस्सा लेंगे। भारत का डिजिटल पेमेंट सिस्टम घाना में लाने के बारे में भी बातचीत होगी, ताकि दोनों देशों में डिजिटल लेन-देन आसान हो सके। मोदी और महामा एक साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी घाना की संसद और वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के 15000 लोगों को संबोधित करेंगे। घाना के राष्ट्रपति महामा मोदी के सम्मान में स्टेट डिनर भी आयोजित करेंगे।

कोविड काल में भारत ने घाना को 6 लाख वैक्सीन दी

भारत और घाना अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक-दूसरे के मजबूत समर्थक रहे हैं। दोनों देश गुटनिरपेक्ष आंदोलन के सदस्य हैं और संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठनों में मिलकर काम करते हैं। घाना ने भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के दावे का समर्थन किया है। जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और अन्य वैश्विक मुद्दों पर दोनों देश एक-दूसरे के साथ खड़े रहते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने घाना को वैक्सीन और चिकित्सा मदद दी थी। भारत ने घाना को 6 लाख कोविड वैक्सीन दी थी।

गांधी के आदर्शों पर चलकर मिली घाना को आजादी

क्वामे एन्क्रूमा घाना के सबसे बड़े नेता थे, जिन्हें अफ्रीका का महात्मा गांधी भी कहा जाता है।

विभाजनकारी तत्व हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग की उपलब्धियों से परेशान : स्टालिन

स्टालिन ने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) शासन के तहत पिछले चार वर्षों के दौरान विभाग के तत्वावधान में अब तक 2,376 शादियां संपन्न हुई हैं और इसमें आज हुए 576 विवाह भी शामिल हैं।

एजेंसी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को कहा कि विभाजनकारी मानसिकता वाले लोग, जो भक्ति के मुखौटे का उपयोग करके अपने वास्तविक इरादों को छिपाते हैं, द्रविड़ मॉडल सरकार के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग की उपलब्धियों को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। यहां हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के तत्वावधान में 32 जोड़ों के विवाह समारोह की अध्यक्षता करते हुए स्टालिन ने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) शासन के तहत

पिछले चार वर्षों के दौरान विभाग के तत्वावधान में अब तक 2,376 शादियां संपन्न हुई हैं और इसमें आज हुए 576 विवाह भी शामिल हैं। स्टालिन ने कहा कि 3,177 मंदिरों का अभिषेक किया गया है, जो अभूतपूर्व है। इसके साथ ही, 997 मंदिरों से संबंधित 7,655.75 एकड़ भूमि, जिसकी कीमत लगभग 7,701 करोड़ रुपये है, को पुनः प्राप्त करना द्रविड़ मॉडल सरकार के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग की मुख्य उपलब्धियों में शामिल है।

जनता कर्ज में डूब रही और मोदी के परम मित्र मुनाफा कमा रहे हैं

कांग्रेस का केंद्र सरकार पर वार

जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार ने पिछले ग्यारह सालों में देश की अर्थव्यवस्था का बंटाधार कर दिया है। लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में कोई प्रयास नहीं किया गया, केवल पूंजीपति मित्रों के लिए सारी नीतियां बनाई गईं, जिसके नुकसान आज देश की जनता भुगत रही है।

एजेंसी

कांग्रेस ने व्यक्तिगत कर्जदारों के प्रति व्यक्ति कर्ज में वृद्धि को लेकर बुधवार को केंद्र पर निशाना साधा और कहा कि सरकार आंकड़ों और विशेषज्ञों का सहारा लेकर वास्तविक कमियों को छिपाने का लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन 'मोदी राज' में देश पर कर्ज का बोझ चरम पर है। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने सरकार पर हमला करने के लिए मीडिया रिपोर्टों के स्क्रीनशॉट साझा किए। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार ने पिछले ग्यारह सालों में देश की अर्थव्यवस्था का बंटाधार कर दिया है। लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में कोई प्रयास नहीं किया गया, केवल पूंजीपति मित्रों के लिए सारी नीतियां बनाई गईं, जिसके नुकसान आज देश की जनता भुगत रही है। यह सच्चाई किसी न किसी तरह हर रोज हमारे सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ताजा रिपोर्ट से भारत की अर्थव्यवस्था की चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। सरकार कि ओर से आंकड़ेबाजी और एक्सपर्ट्स का सहारा लेकर असली

कमियों को छुपाने की कोशिश लगातार जारी है, लेकिन इस सच्चाई से कोई इनकार नही कर सकता कि देश पर कर्ज का बोझ मोदीराज में चरम पर है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि 2 साल में प्रति व्यक्ति कर्ज 90,000 बढ़कर ?4.8 लाख हो गया है। आमदनी का 25.7% हिस्सा सिर्फ कर्ज चुकाने में जा रही है। सबसे ज्यादा 55% लोन तथाकथित रूप से क्रेडिट कार्ड, मोबाइल एटक आदि के लिए जा रहा है, जिसका मतलब है इस महंगाई में परिवारों की आय में उनका गुजारा नहीं हो रहा है और वे कर्ज लेने पर मजबूर हैं। असुरक्षित कर्ज 25% पार हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि मार्च 2025 तक भारत पर दूसरे देशों/बाहरी कर्ज 736.3 बिलियन डॉलर था, जो पिछले साल की तुलना में 10 प्रतिशत ज्यादा है। रमेश ने कहा कि युवाओं को नौकरी नहीं, किसान आत्महत्या कर रहे, महंगाई से जनता त्रस्त, संस्थाओं को कुचला जा रहा है।